Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 66 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में होगी लापरवाही, तो तय होगी जवाबदेही : सीएम विष्णुदेव साय

- छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, संभावित खतरों की पहले पहचान कर करें प्रभावी कार्रवाई : मुख्यमंत्री श्री साय
- मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर-एसपी को दिए स्पष्ट निर्देशः घटना होने का इंतजार नहीं, संभावित जोखिमों की पहचान कर समय रहते करें कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। विद्यार्थियों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित खतरों की पहले से पहचान कर उन्हें दूर करना भी हमारी जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आएं, वहां समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराया जाए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखाई दे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन, जिनकी स्थिति जोखिमपूर्ण है अथवा जिनसे किसी प्रकार की जनहानि की आशंका हो सकती है, उनकी पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त कर दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। केवल शिकायत अथवा दुर्घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने की प्रवृत्ति के स्थान पर सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करनी होगी।

अवैध और मिलावटी शराब के विरुद्ध प्रदेशभर में सख्त अभियान चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों अथवा स्थानों पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री या मिलावट की आशंका हो, वहां संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी की जाए।

उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग को सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान करते हुए संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के निर्माण अथवा मिलावट में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लापरवाही पर तय होगी अधिकारियों की जवाबदेही

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों पर तत्काल अमल शुरू किया जाए तथा जिलों में की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री विकास शील, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, वन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव श्री रजत बंसल, संयुक्त सचिव श्री प्रभात मलिक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

रामसागर पारा में बैला दौड़ पोरा तिहार का आयोजन

- भव्य बैला दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को दिया गया विशेष उपहार

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पश्चिम पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने छत्तीसगढ़वासियों को पोरा तिहार शुभकामनाएँ दी और कहा कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आज दिनांक 10 सितंबर 2026 दिन गुरूवार को रायपुर के ऐतिहासिक स्थल रामसागर पारा, मेन रोड, रायपुर (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ी पुरखा के तिहार, पारंपरिक त्यौहार ''पोला पर्व'' का भव्य आयोजन किया गया। उपाध्याय ने कहा कि रामसागर पारा क्षेत्र में पुरानी परंपरा सदियों से चली आ रही है और यहाँ लगातार पूरे क्षेत्रवासियों के द्वारा बहुत ही उमंग एवं हर्षोउल्लास के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहारों का आयोजन किया जाता है, इस वर्ष भी बड़े धूम धाम से इस पर्व को मनाया गया। यह कार्यक्रम विकास उपाध्याय के संरक्षण में छत्तीसगढ़ पारंपरिक पोरा तिहार उत्सव समिति व रामसागर पारा क्षेत्रवासियों द्वारा भव्य रूप से आयोजित किया गया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने रायपुर सहित अपने पश्चिम विधानसभा के क्षेत्रवासियों सहित रायपुर लोकसभा क्षेत्र के जम्मो महतारी, बहिनी, लईका, सियान सहित समस्तजनों के साथ तैयारियाँ की एवं पोला तिहार में उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित करवाई, जिसमें सभी प्रतिभागियों को विशेष उपहार दिया गया तथा छत्तीसगढ़ी तिहार पुरखा के तिहार को बढ़ावा देने और उत्साहवर्धन करने के लिए आमजनता पहुंचीऔर कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्णत: सहयोग किये।

विकास उपाध्याय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से भव्य बैला दौड़ एवं नांदिया बैला चलई अऊ जांता चलई के प्रदर्शन सहित और भी कई प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई और प्रतिभागी शामिल हुए। जिसमें सर्वश्रेष्ठ को नगद 6100 रूपये पुरूस्कार, प्रथम विजेता को नगद 5100 रूपये पुरूस्कार, द्वितीय पुरूस्कार 4100 रूपये नगद, तृतीय पुरूस्कार 3100 रूपये नगद एवं सभी बैल जोड़ियों को सांत्वना पुरूस्कार पूर्व विधायक विकास उपाध्याय व आयोजन समिति के द्वारा प्रदान किया गया। विकास उपाध्याय के साथ इस कार्यक्रम के आयोजन में छत्तीसगढ़ पारंपरिक पोरा तिहार उत्सव समिति एवं रामसागर पारा क्षेत्रवासियों का विशेष योगदान रहा।

इंडिगो फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

- लखनऊ से सऊदी जा रहा था विमान
- टॉयलेट में बम की धमकी मिली, 133 यात्री सवार थे

अहमदाबाद। लखनऊ से सऊदी अरब के दम्माम जा रही इंडिगो की फ्लाइट में गुरुवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में 'बम' लिखा था। फ्लाइट को करीब शाम 5:55 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। प्लेन में 133 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालकर टर्मिनल-2 ले जाया गया। प्लेन को आइसोलेशन एरिया में ले जाकर सुरक्षा एजेंसियों ने केबिन, सीटों, कार्गो और पैसेंजर्स के सामान की जांच की। शुरुआती जांच में विमान से कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। विमान ने लखनऊ से गुरुवार शाम 4:17 बजे उड़ान भरी और इसे शाम 5:43 बजे अहमदाबाद में सुरक्षित उतारा गया।

छत्तीसगढ़ की खदान कौड़ियों के भाव बेच रही बीजेपी : कांग्रेस

- हसदेव-अरण्य में तारा कोल ब्लॉक की नीलामी पर सवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के हसदेव-अरण्य में तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर हसदेव के जंगल और खनिज संसाधन निजी कंपनियों को सौंपने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने नीलामी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- 'छत्तीसगढ़ की खदान कौड़ियों के भाव बेची जा रही हैं।' कांग्रेस नेता ने वीडियो जारी कर सरकार से इस फैसले पर जवाब मांगा है। तारा कोल ब्लॉक की नीलामी में सीजी सिन-गैस एंड केमिकल्स लिमिटेड विजेता बनी है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, यह कंपनी मुंद्रा सिनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सर्वसम्मति से हसदेव-अरण्य में किसी नए कोल ब्लॉक के आवंटन या नीलामी पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का जनसेवा पर्व बनेगा जन-आंदोलन : बृजमोहन अग्रवाल

- 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'
- लाखे नगर और भाठागांव मंडल कार्यसमिति बैठक व कार्यशाला संपन्न, कार्यकर्ताओं को मिला दायित्व

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और संवैधानिक पद पर सेवा व समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाने जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल के मार्गदर्शन में लाखे नगर एवं भाठागांव मंडल की संयुक्त कार्यसमिति बैठक व कार्यशाला आयोजित की गई।

बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन राष्ट्र सेवा, अंत्योदय और गरीब कल्याण का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में बीते 25 वर्षों में उन्होंने बिना रुके, बिना थके देश के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य किया है। उनके इस 25 वर्ष के ऐतिहासिक कार्यकाल को हमें जनता के बीच उत्सव और सेवा भाव के साथ मनाना है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि 17 सितंबर (मोदी जी के जन्मदिन) से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस महीने भर के अभियान को हर बूथ तक पहुंचाना है। यह केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारा ऋण चुकाने का संकल्प है। कार्यशाला में रूपरेखा तय करते हुए सांसद ने कार्यकर्ताओं से अभियान के दौरान मंडल स्तर पर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान, पीएम आवास, उज्ज्वला, मुद्रा आदि के लाभार्थियों से सीधा संपर्क व सम्मेलन आयोजित कर सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से हाहाकार, मरीजों का आंकड़ा 340 के पार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। 8 सितंबर को प्रदेश में एक दिन में 46 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं और अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 344 पहुंच चुकी है। अब प्रदेश के 24 जिलों में इस बीमारी का संक्रमण फैल चुका है। सबसे ज्यादा 146 मरीज रायपुर से मिले हैं। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रायपुर के अलावा दुर्ग में 4, बिलासपुर और कोरबा में 3-3, जबकि बालोदाबाजार, बस्तर और महासमुंद में 2-2 नए मरीज मिले हैं। कुल 344 मरीजों में से 122 एक्टिव मरीज हैं।

स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में उपचार जारी

अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू से किसी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की निगरानी और उपचार कर रहा है। विशेषज्ञों ने बुखार के साथ लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी या अत्यधिक कमजोरी होने पर बिना चिकित्सकीय सलाह दवा नहीं लेने की अपील की है।

बच्चों और बुजुर्गों को डॉक्टरों की सलाह

राज्य स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी और जिला अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा है। संदिग्ध मरीजों के लिए विशेष वार्ड बनाए जा रहे हैं और दवाओं का स्टॉक सुनिश्चित किया जा रहा है। डॉक्टरों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने, मास्क लगाने तथा लक्षण दिखने पर खुद से दवा न लेकर तुरंत टेस्ट कराने की सलाह दी है।

जूनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के तैराकों ने लहराया परचम

रायपुर। जूनियर एवं सब-जूनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में देश भर में प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले होनहार तैराकों ने आज रायपुर सांसद एवं छत्तीसगढ़ स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बृजमोहन अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात की। राष्ट्रीय स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाली सुश्री शिवांगिनी पांडे और श्री गौरव राज सहित पूरे प्रतिभागी दल का सांसद श्री अग्रवाल ने गर्मजोशी से स्वागत किया और मुंह मीठा कराकर उन्हें उवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमारे बेटे-बेटियों ने राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर यह साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभा किसी से कम नहीं है। सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन रंग लाई है।

गौ तस्करों के खिलाफ गौ सेवकों की दंडवत यात्रा

- कमिश्नरेट कार्यालय घेरने निकले, समझाइश के बाद लौटे
- एक्शन ना होने पर दोबारा आंदोलन की चेतावनी

रायपुर (विश्व परिवार)। सड़क पर घूम रहे मवेशियों की सुरक्षा और कथित गौ तस्करी के खिलाफ गौ सेवकों ने रायपुर में दंडवत यात्रा निकाली। गौ सेवक दंडवत करते हुए कमिश्नर ऑफिस की ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया। पुलिस और गौ सेवकों के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद मामला शांत हुआ और गौ सेवक वापस लौट गए। गौ सेवकों का कहना है कि उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मवेशियों की सुरक्षा और कथित गौ तस्करी के मामलों में कार्रवाई की मांग की है। गौ सेवक ओमेश बिसेन ने कहा- बातचीत में कोई समाधान नहीं निकलता और तस्करी के आरोपों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे अगले दिन से अनिश्चितकाल तक रोज दंडवत यात्रा निकालकर कमिश्नर ऑफिस पहुंचेंगे। वहीं गौ सेवक प्रकाश यादव और अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि तस्करों के साथ खुले में मवेशियों को छोड़ रहे गौ मालिकों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। उनके खिलाफ भी एक्शन अगर प्रशासन नहीं लेता तो आंदोलन जारी रहेगा।

गौ सेवकों ने आरोप लगाया कि रायपुर के सरोना, बिरगांव और आरंग क्षेत्र में कुछ लोग अलग-अलग गैंग बनाकर गांवों से गौवंश और भैंसों को इकट्ठा कर रहे हैं और उन्हें कत्लखानों तक ले जाया जा रहा है।

भावना बोहरा के संग हजारों महिलाओं ने मनाया तीज मिलन समारोह

- मातृशक्ति का संगम, 8000 से अधिक महिलाओं ने मनाया तीज मिलन का उत्सव
- पंडरिया में सजा तीज का रंग, माताओं-बहनों ने उत्साह के साथ मनाया तीज मिलन समारोह

पंडरिया (विश्व परिवार)। हरियाली, उमंग और अखंड सौभाग्य की मंगलकामना से जुड़ा तीजा पर्व पंडरिया में इस बार सामाजिक एकजुटता और नारी शक्ति के उत्सव के रूप में नजर आया। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा तीजा तिहार के अवसर पर 10 सितम्बर को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में आयोजित तीज मिलन समारोह में विधानसभा क्षेत्र की 8000 से अधिक माताओं-बहनों ने सहभागिता की। पारंपरिक उल्लास से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने लोकगीतों, पारंपरिक साज-सज्जा, तीज की मेहंदी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें तीज क्विन की विजेता एवं उप विजेता को विधायक भावना बोहरा ने सम्मानित कर उपस्थित सभी माताओं-बहनों को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि तीज का पर्व हमारी संस्कृति की वह जीवंत परंपरा है, जिसमें आस्था, पारिवारिक मूल्यों, प्रेम और नारी शक्ति का सुंदर संगम दिखाई देता है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही है। तीज का पर्व महिलाओं के धैर्य, संकल्प और समर्पण को अभिव्यक्त करता है। भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के माध्यम से सुहागिन महिलाएं अपने जीवनसाथी के सुखद, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना करती हैं। इस पर्व की विशेषता यह भी है कि यह महिलाओं को एक-दूसरे के साथ जुड़ने, अपनी खुशियां साझा करने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। आज इस आयोजन में पंडरिया विधानसभा की हजारों की संख्या में उपस्थित माताओं-बहनों ने जिस उत्साह, उल्लास और उमंग एवं पारंपरिक तरीके से एकजुट होकर सहभागिता की और इस आयोजन को भव्य व ऐतिहासिक बनाया उसके लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति आज केवल परंपराओं की संवाहक ही नहीं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास की मजबूत भागीदार भी है। गांवों में खेती-किसानी से लेकर शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और सामाजिक कार्यों तक महिलाओं की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। उनकी इसी भूमिका एवं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागिता के प्रति हमारी सरकार का प्रयास है कि महिलाओं को सम्मान के साथ-साथ ऐसे अवसर भी मिलें, जिनसे वे आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बन सकें।

अन्नदाता के साथ अब ऊर्जादाता बनकर देश को रोशन कर रहा : प्रल्हाद जोशी

- कृषि-वोल्टेइक तकनीक किसानों को एक ही भूमि से खाद्यान्न और स्वच्छ ऊर्जा दोनों का उत्पादन करने में सक्षम बना सकती है।

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली में 7वें एग्रीवोल्टिक्स विश्व सम्मेलन 2026 के पूर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जो किसान हमेशा राष्ट्र को भोजन उपलब्ध कराता रहा है, वही अब अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बनकर देश को रोशन भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि-वोल्टेइक तकनीक किसानों को एक ही भूमि से खाद्यान्न और स्वच्छ ऊर्जा दोनों का उत्पादन करने में सक्षम बना सकती है।

प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पीएम-कुसुम योजना के अगले चरण में कृषि-वोल्टेइक ऊर्जा के लिए एक समर्पित घटक होगा। इससे किसान खेती के साथ बिजली उत्पादन से भी आय अर्जित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें छोटे और सीमांत किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और पंचायतों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भूमि का स्वामित्व किसान के पास ही रहे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक किसान एक ही एकड़ भूमि से तीन स्रोतों से आय अर्जित कर सकता है—फसल की बिक्री, डिस्कॉम को बेची गई बिजली और डीजल पर होने वाली बचत। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों के लिए सौर ऊर्जा से होने वाली आय महज अतिरिक्त आमदनी नहीं, बल्कि आय-सुरक्षा का माध्यम है।

मानसून द्रोणिका सक्रिय तीन दिन तक बारिश का अलर्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आज दोपहर बाद जमकर बारिश हुई। दिनभर धूप और उमस के बीच शाम करीब 4 बजे छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में जोरदार बारिश की फुहारें पड़ीं। इससे थोड़ी देर के लिए राहत मिली, लेकिन बारिश थमते ही उमस फिर बढ़ गई। कम बारिश के कारण तापमान पर खास असर नहीं पड़ा। दुर्ग में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से मध्यम बारिश हुई। हालांकि, 11 सितंबर से बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। दुर्ग में गुरूवार को एक-दो दौर की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

नवा रायपुर के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को मिली नई पहचान

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर अटल नगर अब देश के प्रमुख आधुनिक शहरों के साथ-साथ हॉस्पिटैलिटी और बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसी दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। देश की प्रमुख हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (IHCL) ने नवा रायपुर में अपने प्रतिष्ठित त्द्वठ्ठद्दद्गह्ल ॥श्ह्लद्गद्य की स्थापना की घोषणा की है। 111 कमरों वाला यह होटल ब्राउनफील्ड परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए IHCL ने ECHT Ventures के साथ साझेदारी की है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि नवा रायपुर में देश की प्रतिष्ठित हॉस्पिटैलिटी कंपनी ढ्ढ॥ष्टरुका त्द्वठ्ठद्दद्गह्ल ॥श्ह्लद्गद्य लाना छत्तीसगढ़ के प्रति बढ़ते निवेशकों के विश्वास और नवा रायपुर की राष्ट्रीय पहचान का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुविधायुक्त और निवेश के अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। देश-विदेश से आने वाले निवेशकों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और पर्यटकों के लिए बेहतर हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं का विस्तार नवा रायपुर की आर्थिक गतिविधियों को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर अब केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन और आधुनिक सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जूनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के तैराकों ने लहराया परचम, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पदक विजेताओं का किया सम्मान

रायपुर। जूनियर एवं सब-जूनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में देश भर में प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले होनहार तैराकों ने आज रायपुर सांसद एवं छत्तीसगढ़ स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बृजमोहन अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात की। राष्ट्रीय स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाली सुश्री शिवांगिनी पांडे और श्री गौरव राज सहित पूरे प्रतिभागी दल का सांसद श्री अग्रवाल ने गर्मजोशी से स्वागत किया ।

कार्यालय, नगर पंचायत खरोरा, जिला-रायपुर (छ0ग0)

20572285709.E-mail - npkharora@gmail.com

क्रमांक/1253/न0प0लो0नि0वि0/2026-27 खरोरा, दिनांक 10/09/202.6

// रूचि की अभिव्यक्ति //

राज्य शासन द्वारा सामुदायिक शौचालय के रख-रखाव एवं संचालन हेतु "स्वच्छता श्रृंगार" योजना के तहत निकाय द्वारा निर्मित **02 नग सामुदायिक सह सार्वजनिक शौचालयों** के रखरखाव एवं संचालन कार्य कराये जाने हेतु निर्धारित अर्हताधारी अशासकीय संगठनों, स्व सहायता समूह/ एनजीओं से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) मोहरबंद लिफाफा में **दिनांक 17.09.2026** को दोपहर 2:00 बजे तक स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से की जाती है। प्रस्तुत ऑफर **दिनांक 17.09.2026** को शाम 3:00 बजें उपस्थित NGO / स्व सहायता समूह के अध्यक्ष/अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोला जावेगा। **अमानत राशि 10,000.00 रू.** का एफडीआर जो मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत खरोरा के पक्ष में देय हो जमा किया जाना होगा। विस्तृत नियम शर्ते संलग्न, शौचालय की सूची, सीट संख्या आदि की जानकारी ऑफर प्रस्तुत करने के दिनांक तक कार्यालय तथा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरोरा, जिला रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35194/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35194
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00126** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAVI KALWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KANHAIYA LAL KALWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DURGA DAS HINDUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. KESHUMAL HINDUJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35123 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35123
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651I00899** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOURI SHANKAR SHIVHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. HARI KISHAN SHIVHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NILIMA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH PRASAD SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35098/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35098
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N00366** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RACHANA SINGH TOMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJIM SINGH TOMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KIRAN PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMNIWAS PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35091/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35091
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445E0184B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. AJEET KOSARIYA , 2. HEMANT KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GYANDAS KOSARIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJEET KUMAR KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GYANDAS KOSARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35050/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35050
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J00408** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UMA DEVI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAI PRAKASH SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRAKALA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHUMAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35051 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35051
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K01092** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAVIRAJ SUNDRANI , RIYA SUNDRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **G.D. SUNDRANI, KAVIRAJ SUNDRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **फ्रांसिस केरकेट्टा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. हाबिल लोहार केरकेट्टा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35052/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35052
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O00030** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUSHANT KUMAR BHUYIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SADANAND BHUIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHAGIRATHI VISHAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI VISHAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35053/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35053
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N00557** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GULSHAN CHANDWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR CHANDWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHREY DAHLAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUNAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35081/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35081
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L00295** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M. PRAMILA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE S. NARAYAN RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01.RAHUL KESHARWANI 02. PRADEEP KESHARWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O UMA SHANKAR KESHARWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा कॉलोनी **पुरेना, जिला-रायपुर** में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत पुरेना जिला- **रायपुर में ई.डब्ल्यु.एस. फ्लैट क्रमांक 12, ब्लांक-18 द्वितीय तल, श्रीमति ललिता साहू पति श्री खेमचंद साहू** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक 123 दिनांक 27.08.2026** को नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट का सेलडीड **दिनांक 09.10.2023** को निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्रीमति ललिता साहू पति श्री खेमचंद साहू,** पता परमालकसा राजनांदगांव (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता **श्री मृत्युंजय जेना पिता श्री गुरूचरण जेना निवासी - न्यू राजेन्द्रनगर, सरस्वती स्कूल के पास रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट **क्रेता श्री मृत्युंजय जेना पिता श्री गुरूचरण जेना निवासी - न्यू राजेन्द्रनगर, सरस्वती स्कूल के पास रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त फ्लैट को विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35300/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35300
वार्ड का नाम-62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR650F0055C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SUNIL JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAN LAL JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL RAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O JAY PRAKASH RAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35299/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35299
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222A00204** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KABIZ: SHRI ITVARI RAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री अजय साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री इतवारी साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु प्रमाण पत्र, नजूल पट्टा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35297/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35297
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222G00001** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. SARVODAYA TREDARS PARTNER HARILAL BHAI PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAAVJIBHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. हरिलाल पटेल पिता - स्व. मावजी पटेल 2. पंकज पटेल पिता - स्व. छगनलाल पटेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, नजूल पट्टा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35292/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35292
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235D00239** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HARESH KUMAR AHUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHAKISHAN AHUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती कशिश कोडवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री सुनील कुमार कोडवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35291/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35291
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235D00241** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PREM AHUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARNAM DAS AHUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती कशिश कोडवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री सुनील कुमार कोडवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35288/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35288
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-

पहाड़ पर स्वास्थ्य व्यवस्था बेहाल!

पदस्थ कर्मचारी नदारद, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने नहीं संभाला मोर्चा; शाम ढलते ही हजारों फीट ऊंचे गांवों में इलाज की उम्मीद भी ढल जाती है

गरियाबंद (विश्व परिवार)। सरकार दूरस्थ और पहाड़ी इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लाख दावे करे, लेकिन गरियाबंद जिले के आमामोरा, ओड़, कुकुरार समेत आसपास के सात गांवों की हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। हजारों फीट ऊंची पहाड़ियों पर बसे करीब डेढ़ से दो हजार आबादी वाले इन गांवों में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पदस्थ तो हैं, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि जरूरत के वक्त स्वास्थ्यकर्मी नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहते। दिन में इलाज की अनिश्चितता और शाम ढलते ही पूरी तरह खत्म होती स्वास्थ्य सुविधा ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

सप्ताह में दो-तीन दिन ही पहुंचते हैं स्वास्थ्यकर्मी! - ग्रामीणों के मुताबिक गांव में पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता की पदस्थापना है, लेकिन उनकी नियमित उपस्थिति नहीं रहती। आरोप है कि स्वास्थ्यकर्मी सप्ताह में महज दो से तीन दिन ही गांव तक पहुंचते हैं और शाम होने से पहले वापस लौट जाते हैं। ऐसे में शाम या रात के समय किसी ग्रामीण की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता मिलना मुश्किल हो जाता है।

गंभीर स्थिति में ग्रामीणों को दुर्गम पहाड़ी रास्तों से नीचे उतरकर स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने की व्यवस्था खुद करनी पड़ती है। बीमारी की स्थिति में जहां कुछ मिनट भी महत्वपूर्ण होते हैं, वहां लंबी दूरी और खराब परिवहन व्यवस्था मरीजों की परेशानी और बढ़ा देती है।

शाम ढलते ही स्वास्थ्य सुविधा का भरोसा खत्म- इन पहाड़ी गांवों में सबसे गंभीर समस्या आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि जब दिन में ही स्वास्थ्यकर्मी की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं रहती तो रात में हालात और भी चिंताजनक हो जाते हैं।

अचानक बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य आपात स्थिति में तत्काल उपचार की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को मजबूरी में पारंपरिक उपचार और बैगा-गुनिया का सहारा लेना पड़ता है। सवाल यह है कि आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के दौर में पहाड़ पर बसे ग्रामीणों को आज भी आपात स्थिति में ऐसे विकल्पों पर निर्भर क्यों रहना पड़ रहा है?

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की पोस्टिंग, फिर भी ज्वाइनिंग का इंतजार- सबसे चिंताजनक स्थिति गर्भवती महिलाओं को लेकर सामने आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के लिए महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की पोस्टिंग की गई है, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी उनके द्वारा वहां ज्वाइन कर सेवाएं शुरू नहीं की गई हैं।

प्रसव के दौरान यदि महिला की हालत अचानक बिगड़ जाए तो तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती बन सकता है। ग्रामीण इलाकों में गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और समय पर स्वास्थ्य सलाह बेहद जरूरी है, लेकिन स्वास्थ्यकर्मी की अनुपस्थिति से यह व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

प्रसव पीड़िता को पहाड़ से नीचे लाना भी किसी चुनौती से कम नहीं- इन गांवों तक नियमित यात्री या सवारी वाहन की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में प्रसव पीड़ित महिला को मोटरसाइकिल या गांव में उपलब्ध इक्का-दुक्का चारपहिया वाहनों के सहारे पहाड़ी रास्तों से नीचे लाना पड़ता है। दुर्गम रास्तों और परिवहन के अभाव के बीच यह सफर अपने आप में जोखिम भरा है। ग्रामीणों के मुताबिक रास्ते में जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। ऐसे हालात में किसी गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाना परिवार के लिए बेहद कठिन हो जाता है।

सड़क और परिवहन की कमी बनी सबसे बड़ी बाधा- आमामोरा, ओड़, कुकुरार सहित आसपास के पहाड़ी गांवों की भौगोलिक स्थिति ही स्वास्थ्य सुविधा की राह में सबसे बड़ी बाधा है। ग्रामीणों को इलाज के लिए लंबी दूरी तय करने के साथ दुर्गम पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है।

नियमित सार्वजनिक परिवहन नहीं होने के कारण बीमारी या प्रसव जैसी आपात स्थिति में निजी वाहन की व्यवस्था करना भी आसान नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

पर्यटन में पहचान, स्वास्थ्य सुविधा में पिछड़ापन- प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह पहाड़ी इलाका पर्यटन के लिहाज से भी खास पहचान रखता है। जंगल, पहाड़, झरने और प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने राज्यभर से लोग यहां पहुंचते हैं। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, लेकिन विडंबना यह है कि इन्हीं पहाड़ियों पर रहने वाले ग्रामीण आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा के लिए तरस रहे हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिशों के बीच स्थानीय ग्रामीणों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है।

पदस्थापना नहीं, नियमित उपस्थिति चाहिए- ग्रामीणों का कहना है कि केवल स्वास्थ्यकर्मियों की पदस्थापना कर देना पर्याप्त नहीं है। दुर्गम क्षेत्रों में पदस्थ कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल उपचार की व्यवस्था करना जरूरी है।

करीब डेढ़ से दो हजार की आबादी वाले सात पहाड़ी गांवों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है। ग्रामीण चाहते हैं कि स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की नियमित निगरानी हो और अनुपस्थित रहने की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाए।

विभागीय निगरानी पर भी सवाल- स्वास्थ्यकर्मियों की कथित अनियमित उपस्थिति और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अब तक ज्वाइन नहीं करने की शिकायतों ने विभागीय निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि दुर्गम गांवों में कर्मचारी नियमित सेवाएं नहीं दे रहे हैं, तो उनकी उपस्थिति और कार्यप्रणाली की निगरानी किस स्तर पर हो रही है, यह बड़ा सवाल है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि आमामोरा समेत सभी पहाड़ी गांवों में स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को तत्काल ज्वाइन कराया जाए और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के साथ स्थायी परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। क्योंकि पहाड़ की ऊंचाई चाहे कितनी भी हो, इलाज का हक वहां रहने वाले हर ग्रामीण तक पहुंचना ही चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

253 ग्राम से 201 ग्राम तक: दुनिया के सबसे हल्के फोल्डेबल के पीछे की इंजीनियरिंग

रायपुर। साल 2019 में 276 ग्राम वजन वाला पहला Galaxy Fold पेश करने के बाद से सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने फोल्डेबल स्मार्टफोन की संभावनाओं का दायरा लगातार बढ़ाया है। हर पीढ़ी के साथ कंपनी ने हिंज औरडिस्प्ले के डिजाइन, टिकाऊपन और इस्तेमाल की आसानी को आगे बढ़ाया। जैसे-जैसे ये तकनीकें आगे बढ़ीं, सैमसंग ने एक और चुनौती पर ध्यान दिया। बड़ी स्क्रीन वाले फोल्डेबल को रोजमर्रा में साथ ले चलना और आसान कैसे बने, वह भी उन अनुभवों को खोए बिना जो इस फॉर्म फैक्टर को अलग बनाते हैं। इसी कोशिश में Galaxy Z Fold 5 का वजन 253 ग्राम रहा और Galaxy Z Fold6 में यह घटकर 239 ग्राम हो गया। Galaxy Z Fold7 के साथ लक्ष्य और ऊंचा हो गया: क्या कोई फोल्डेबल किसी बार-टाइप फ्लैगशिप स्मार्टफोन से भी हल्का हो सकता है? उस समय सैमसंग के फ्लैगशिप बार-टाइप स्मार्टफोन्स में शामिल Galaxy S25 Itra का वजन 218 ग्राम था। डेवलपमेंट टीम ने Galaxy Z Fold7 के लिए इससे भी कम वजन का लक्ष्य रखा, 215 ग्राम। Galaxy Z Fold7 ने 215 ग्राम पर यह लक्ष्य पूरा किया। फोल्डेबल में सालों के इनोवेशन को आगे बढ़ाते हुए Galaxy Z Fold8 में नया फॉर्म फैक्टर और कोर तकनीकों, सामग्री और अंदरूनी ढांचे में हुई प्रगति, दोनों साथ आए। नतीजा, वजन सिर्फ201 ग्राम, जो Galaxy Z Fold5 से 52 ग्राम कम है। 201 ग्राम के साथ Galaxy Z Fold8 दुनिया का सबसे हल्का फोल्ड है।

इंडियनऑयल ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से टाटा डॉट कार्स के लिए भारत का पहला इन-कार फ्यूल पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया

मुंबई: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से टाटा डॉट कार्स के लिए इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट्स पर भारत का पहला इन-कार पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया है। यह लॉन्च ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान किया गया। इस पहल के माध्यम से ग्राहक अपने कनेक्टेड वाहनों के डैशबोर्ड के माध्यम से सीधे और सुरक्षित रूप से ईंधन का भुगतान कर सकेंगे। यह पहल मोबिलिटी क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट अनुभव को और अधिक उन्नत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सॉल्यूशन एनपीसीआई के यूपीआई सर्किल फ्रेमवर्क के तहत इंट्रोडक्शन ऑफ आईओटी डिवाइसेस एंड सॉफ्टवेयर ऑन द यूपीआई इकोसिस्टम पहल का लाभ उठाते हुए कनेक्टेड वाहनों के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराता है। ईंधन भरवाने के बाद ग्राहक किसी अलग मोबाइल ऐप, कार्ड या किसी अन्य भुगतान पद्धति का उपयोग किए बिना अपने वाहन के इंटरफेस के माध्यम से ही लेनदेन पूरा कर सकेंगे। इस सॉल्यूशन में इंडियनऑयल के एक्स्ट्रारिवॉर्ड्स लॉयल्टी कार्यक्रम को भी एकीकृत किया गया है। इससे पात्र ग्राहक लेनदेन के दौरान अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना रिवॉर्ड पॉइंट्स प्राप्त कर सकेंगे। इंडियनऑयल के व्यापक ईंधन रिटेल नेटवर्क, टाटा डॉट कार्स की कनेक्टेड वाहन इकोसिस्टम और एनपीसीआई के विश्वसनीय डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ लाकर, इस पहल को ईंधन भरने की प्रक्रिया को अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

पुलिस ने जुआ खेलने वाले 08 आरोपियो को किया गिरफ्तार

जगदलपुर । पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य मे 08 जुआडियो को जुआ खेलते 08 आरोपियो को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में दिनांक 09 सितम्बर को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम सरगीपाल नीलगिरि प्लाट के पास कुछ लोग तास के 52 पत्ते में रूपये पैसे का दांव लगाकर हार जीत का जुआ खेल रहे है, की सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के दिशानिर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक सुखनंदन सिंह राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार एवं उप पुलिस अधीक्षक चन्द्रहास सिन्हा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में थाना प्रभारी बोधघाट व ब्लैक पैन्थर की टीम बनाकर सूचना की तस्दीकी तथा कार्यवाही हेतु तत्काल मुखबिर के बताये स्थान में जाकर रेड कार्यवाही करने पर 08 व्यक्ति जुआ खेलते पकड़ाए जिन्हे नाम पता पूछने पर अपना अपना नाम पदलाम बघेल पिता घासी राम बघेल, सुकराम नाग पिता विश्व नाथ नाग, सामसेन बघेल पिता महादेव बघेल, लछीन नाग पिता रघुनाथ नाग, सुंदर बघेल पिता रामेश्वर बघेल, सहदेव बघेल पिता सामो बघेल, लोकनाथ कश्यप पिता रुपसिंग कश्यप सभी निवासी ग्राम सरगीपाल, परमेश्वर जोशी पिता सूमोनू जोशी निवासी ग्राम बिलोरी का रहने वाले बताये जिनके कब्जे से तास के 52पत्ते, नगदी रकम 2760 रु, 07नग पुराना इस्तेमाली टच स्क्रीन मोबाइल, 02 नग पुराना इस्तेमाली मोटर सायकल कुल किमती 1,84,760 रु को आरोपियों के कब्जे से जप्त किया।

बस्तर को बड़ी स्वास्थ्य सौगात

जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में 6 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ आधुनिक लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर

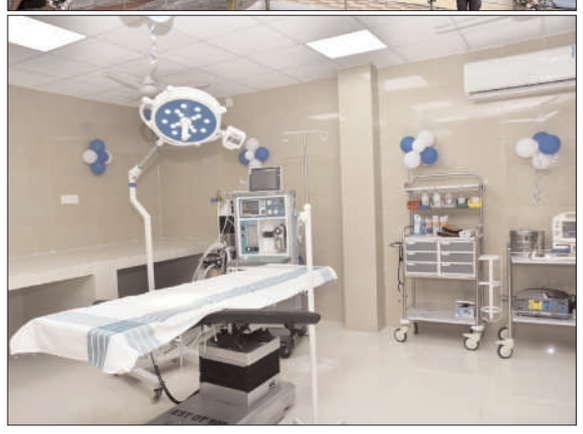

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर संभाग और आसपास के अंचल में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। भारत सरकार की 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत देश भर में 85 ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने का प्रावधान किया गया था, जिसके अनुक्रम में वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ राज्य के तीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों रायगढ़, अंबिकापुर एवं जगदलपुर के लिए ट्रॉमा सेंटर स्वीकृत किए गए थे। इसी कड़ी में स्वर्गीय श्री बलिराम कश्यप स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध शहीद महेंद्र कर्मा स्मृति चिकित्सालय, डिमरापाल जगदलपुर में आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना की गई है, जिसका विधिवत उद्घाटन संपन्न हुआ।

इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य इकाई के निर्माण एवं सुचारु संचालन के लिए कुल लगभग 6 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रावधान किया गया है, जिसमें आधारभूत अधोसंरचना निर्माण हेतु 1.50 करोड़ रुपए और जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों के लिए 4.43 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। आपातकालीन एवं गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों को त्वरित व समुचित उपचार देने के उद्देश्य से इस केंद्र में 20 बिस्तरों की आधुनिक व्यवस्था की गई है, साथ ही केंद्र के निरंतर संचालन के लिए 60 नए पदों की स्वीकृति भी दी गई है जिससे चिकित्सा व सहायक सेवाओं को जमीनी मजबूती मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ प्रदीप बेक ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान में दुर्घटना के तत्काल बाद का पहला घंटा यानी गोल्डन ऑवर जीवन रक्षा के लिए सर्वाधिक संवेदनशील माना जाता है। इसी प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए यह ट्रॉमा यूनिट आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और गहन चिकित्सा इकाई से सुसज्जित है। यहाँ एक ही छत के नीचे न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल सर्जरी, एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चैबीसों घंटे तैनात रहेंगे, ताकि सड़क हादसों व अन्य गंभीर आपात स्थितियों में बिना समय गंवाए जटिल सर्जरी व सघन उपचार तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। यह सुविधा बस्तर क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन रक्षा का एक मजबूत भरोसा बनकर उभरी है, जिससे गंभीर मरीजों को बड़े शहरों में रेफर करने की मजबूरी से बड़ी राहत मिलेगी।

एक पेड़ माँ के नाम 3.0 जगदलपुर में हरित राजमार्ग अभियान का भव्य शुभारंभ

डिप्टी सीएमअरुण साव ने दिया बस्तर के समग्र विकास और हरियाली का भरोसा

जगदलपुर/विश्व परिवार। पर्यावरण संरक्षण और मातृशक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम जगदलपुर, वन विभाग तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन कुम्हड़ाकोट स्थित जनजातीय गौरव वाटिका के समक्ष किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने की। इस गरिमामय अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री विनायक गोयल, महापौर श्री संजय पांडे और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मंच पर मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने प्रदेशवासियों को पारंपरिक लोकपर्व पोला की बधाई दी। उन्होंने कहा कि त्योहार के व्यस्त माहौल और पूजा-अर्चना के समय में भी नागरिकों का इतनी बड़ी संख्या में जुटना पर्यावरण के प्रति उनकी गहरी निष्ठा को दर्शाता है। श्री साव ने नगर निगम टीम और महापौर की विशेष सराहना करते हुए कहा कि सामान्यतः नगरीय निकाय केवल निर्माण कार्यों तक सीमित रहते हैं, लेकिन जगदलपुर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने के लिए यह पौधारोपण अभियान एक जिम्मेदार नागरिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बस्तर को देश का सबसे विकसित संभाग बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शहर के अधोसंरचना विस्तार, विकास कार्यों और हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजनाओं में फंड की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। बस्तर की प्राकृतिक छटा, चित्रकूट जलप्रपात और माँ दंतेश्वरी की महिमा का उल्लेख करते हुए उन्होंने नागरिकों से शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने में साझी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया, जिसके बाद अतिथियों ने वाटिका में फलदार व छायादार पौधे रोपे। इस मौके पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पुनीत आह्वान अब एक राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अकेले वन विभाग के माध्यम से प्रदेश भर में साढ़े सात करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। वैश्विक जलवायु संकट पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि इसका सबसे प्रभावी समाधान व्यापक वृक्षारोपण ही है, क्योंकि प्रकृति का हर पौधा औषधीय महत्व रखता है। बस्तर में आए सुरक्षा और विकास संबंधी बदलावों पर चर्चा करते हुए श्री कश्यप ने रेखांकित किया कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूरी तरह खात्मा हो चुका है और वर्ष 2030 तक बस्तर को देश के सबसे विकसित संभाग के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का उल्लेख करते हुए क्षेत्र के निरंतर उत्थान की बात दोहराई। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भारतीय परंपरा का भावपूर्ण संदर्भ देते हुए कहा कि एक वृक्ष लगाना दस संतानों के लालन-पालन के समान पुण्यदायी कार्य है। उन्होंने बस्तर और चित्रकूट की प्राकृतिक सुंदरता की प्रशंसा करते हुए युवाओं से सोशल मीडिया और रील्स के माध्यम से इसे वैश्विक पर्यटन पटल पर चमकाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने संभाग की सुदृढ़ होती स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महारानी अस्पताल की अटल आरोग्य लैब में 10 से 12 हजार रुपये तक की जटिल जांच निशुल्क की जा रही हैं।

शराब प्रकरण की धमकी, 90 हजार की वसूली का आरोप!

सोने-चांदी के गहने बेचकर जुटाई रकम, आबकारी अधिकारी पर गंभीर आरोप; कलेक्टर से शिकायत के बाद विभाग में मचा हड़कंप

गरियाबंद (विश्व परिवार)। शराब प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर एक गरीब परिवार से कथित तौर पर 90 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। आबकारी वृत्त गरियाबंद के एक अधिकारी पर लगे इस गंभीर आरोप ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि कार्रवाई के डर से परिवार ने रिश्तेदारों से पैसे मांगने के साथ ही सोने-चांदी के आभूषण तक बेचकर रकम जुटाई। मामले को लेकर ग्राम केवटाडीह, थाना छुरा निवासी धनुराम के पिता रामसिंग मांझी ने कलेक्टर गरियाबंद को लिखित शिकायत देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के मुताबिक जुलाई 2026 में आबकारी वृत्त गरियाबंद के एक अधिकारी द्वारा शराब का प्रकरण बनाने की धमकी दी गई। आरोप है कि 7999574565 मोबाइल नंबर से फोन कर कार्रवाई से बचाने के नाम पर 90 हजार रुपये लिए गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि रकम देने के बाद उसे भरोसा दिलाया गया था कि उसके खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन शिकायतकर्ता के मुताबिक मामला यहीं खत्म नहीं हुआ।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम देने के बावजूद 9 सितंबर 2026 को आबकारी अधिनियम की धारा 36 के तहत न्यायालय में इस्तगासा पेश कर दिया गया। इससे शिकायतकर्ता के परिवार को कथित तौर पर आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। शिकायत में कहा गया है कि कार्रवाई के भय से परिवार ने इधर-उधर से पैसे जुटाए। यहां तक कि सोने-चांदी के आभूषण बेचकर भी कथित रकम की व्यवस्था करनी पड़ी।

शिकायतकर्ता ने खुद को रोजी-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाला गरीब व्यक्ति बताया है। उसका आरोप है कि आबकारी विभाग की कथित धमकी और कार्रवाई के कारण परिवार गंभीर आर्थिक संकट में पहुंच गया।

कलेक्टर को दी गई शिकायत में संबंधित अधिकारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने तथा कथित तौर पर ली गई 90 हजार रुपये की रकम वापस दिलाने की मांग की गई है।

मामला सामने आने के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। यदि शिकायतकर्ता के आरोप सही पाए जाते हैं तो यह महज अवैध वसूली का मामला नहीं, बल्कि कार्रवाई के अधिकार के कथित दुरुपयोग का भी गंभीर विषय होगा। हालांकि, 90 हजार रुपये लिए जाने, धमकी देने और संबंधित अधिकारी की भूमिका के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। इन आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बताया जाता है कि इससे पहले भी आबकारी विभाग के अधिकारी बनकर कर्मचारियों द्वारा शराब बनाने के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन शिकायतों को लेकर विभाग के बड़े अधिकारियों की कथित चुप्पी भी सवालों के घेरे में है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि कलेक्टर के सामने पहुंची इस शिकायत पर प्रशासन कितनी गंभीरता दिखाता है? क्या आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर ठोस कार्रवाई होगी और कथित रूप से ली गई रकम पीड़ित परिवार को वापस मिलेगी, या फिर यह शिकायत भी सरकारी फाइलों में दबकर रह जाएगी? फिलहाल, शिकायत सामने आने के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली और कथित वसूली के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

संपादकीय

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में 'समृद्ध उपभोक्ताओं' की संख्या बढ़ना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढ़ना उसका ही परिणाम है। मार्केट एजेंसी नीलसन-आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत 'समृद्ध उपभोक्ताओं' के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने 'समृद्ध उपभोक्ता' उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है। इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है। पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे।

लचित बडफूकन-बंदा बहादुर का योगदान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भाई परमानंद और करम सिंह हिस्टोरियन के इस विवाद के लगभग तीस साल बाद डा. गंडा सिंह ने 1935 में बंदा सिंह बहादुर पर एक गंभीर ग्रंथ लिखा। इसके बाद बंदा बहादुर का मूल्यांकन हुआ पिछले दिनों मुझे दो अलग-अलग स्थानों पर दो सेमिनारों में शिरकत करने का अवसर प्राप्त हुआ। मंडी गोविंदगढ़ के देशभगत विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में बंदा बहादुर पर सेमिनार थे। इसी प्रकार असम में वहां के सीमांत चेतना मंच की ओर से अढ़ाई साल तक चले लंबे युद्ध में औरंगजेब की सेना को ब्रह्मपुत्र के तट पर सराय घाट में परास्त कर देने वाले महान सेनापति लचित बडफूकन के बारे में सेमिनार रखा गया था। बंदा बहादुर ने तो पंजाब में सोनीपत से लेकर सरहिंद तक के बड़े इलाके में से मुगल शासन को समाप्त कर वहां गुरु नानक देव जी के नाम से खालसा राज की स्थापना ही कर दी थी। अपने एक हुकमनामा में वह इसको सतयुग कहता है। उसकी युद्ध नीति सचमुच गहरे अध्ययन का विषय है। लेकिन इतिहास में या विश्वविद्यालयों के रक्षा व युद्धनीति विभागों में महान सेनापतियों की सूची में उसका नाम नहीं है। अलबत्ता पूजा स्थानों पर उसका नाम जरूर लिया जाता है या फिर उसके नाम पर पूजा घर बना लिए गए हैं। यही स्थिति लचित बडफूकन की है। यदि बडफूकन औरंगजेब की सेना को उस समय परास्त न कर पाते तो पूरा पूर्वोत्तर भारत ही नहीं, पूरा दक्षिण पूर्व एशिया भी इस्लाम में जा चुका होता। लेकिन शेष भारत की बात तो दूर, लचित बडफूकन को पूर्वोत्तर भारत के ही कई राज्यों के विद्यार्थी नहीं जानते। कुछ साल पहले जब भारत सरकार ने पहली बार दिल्ली के विज्ञान भवन में लचित बडफूकन को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, तो दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के छात्र ही पूछ रहे थे कि बडफूकन कौन था। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि हम यूरोप के दसियों महान सेनापतियों के नाम तो गिना सकते हैं, लेकिन अपने देश के उन सेनापतियों के जिन्होंने अरबों, तुर्कों और मुगलों के विदेशी साम्राज्य को धूल चटा दी थी, उनका हमारे इतिहास के पाठ्यक्रमों में कहीं स्थान नहीं है। इसका कारण क्या हो सकता है? सबसे बड़ा कारण तो यही हो सकता है

कि जिन मुगलों को पंजाब में बंदा बहादुर ने और असम में लचित बडफूकन ने पराजित किया था, उनके इतिहासकार और दरबारी इतिहास लिखने वाले भला बडफूकन या बंदा बहादुर का गुणगान कैसे कर सकते थे? उसके बाद अंग्रेज आ गए। वे भारतीय सेनापतियों के रणचातुर्य को कैसे महिमामंडित कर सकते थे? इन दोनों ही कारणों से भारत के ये महान सेनापति हाशिए पर चले गए। लेकिन अंग्रेजों के चले जाने के बाद भी ये सेनापति इतिहास के हाशिए पर ही कैसे रहे? वामपंथी इतिहासकार तो बहुत ही उच्च स्वर से दावा करते थे कि वे राजाओं का नहीं, बल्कि सामान्य जन का इतिहास लिखेंगे। इतिहास के केन्द्र में आम आदमी रहेगा, न कि राजा और नवाब। उसके बाद भी ये दोनों महान सेनापति उपेक्षित ही रहे। दरअसल वाममार्गी इतिहासकारों की दुविधा यह रही कि उन्होंने अरबों, तुर्कों व मुगल आक्रमणकारियों को विदेशी मानने के स्थान पर उन्हें देसी भारतीय बताना, लिखना और सिखाना शुरू कर दिया। इतिहास सिखाने और लिखाने का काम पंडित नेहरु ने मौलाना अबुल कलाम को ही दे दिया, वे पहले शिक्षा मंत्री थे। अब मुगलों से लडने् वाले और उन्हें हराने वाले लचित बडफूकन और बंदा बहादुर भारत के जननायक कैसे हो सकते थे। भारत सरकार तो इरफान हबीब के पिता से किताब लिखवा रही थी जिसमें महमूद गजनवी को नायक स्थापित किया जा रहा था। ओडिशा के उस समय के राज्यपाल विशंबर नाथ पांडे औरंगजेब को भारत का सर्वश्रेष्ठ शासक सिद्ध करने को किताब छपवा रहे थे। बंदा बहादुर का मामला तो और भी उपेक्षित था। समकालीन या बाद के ईरानी इतिहासकारों द्वारा अपनी पुस्तकों में दिए गए छिटपुट प्रसंगों के अलावा बंदा बहादुर का किसी ने जिक्र नहीं किया। मुगल इतिहासकारों ने जाहिर है बंदा बहादुर को नकारात्मक तरीके से ही प्रस्तुत किया। निर्मला पंथ के साहित्यकारों के ग्रन्थों में जरूर उनका जिक्र मिल जाता है। महाराजा रणजीत सिंह के स्वर्गवास के बाद जब अंग्रेजों ने पंजाब/सप्तसिन्धु पर कब्जा कर लिया, तो ब्रिटिश सरकार ने पंजाब का इतिहास लिखने के लिए कुछ लोग इस काम में लगाए। गुरु सिंह सभा का जन्म भी इसी अंग्रेजी काल खंड में हुआ। गुरु सिंह सभा से प्रेरित विद्वानों ने भी पंजाब का इतिहास लिखना या लिखवाना शुरू किया। लेकिन इन प्रयासों में भी बंदा बहादुर उपेक्षित ही रहा। इसका श्रेय करम सिंह हिस्टोरियन को जाता है कि उन्होंने सबसे पहले 'बंदा सिंह बहादुर' नाम से एक छोटी सी पुस्तिका लिखी। यह आश्चर्य की बात है कि चीफखालसा दीवान ने इसे 1905 में प्रकाशित किया। इसे पंजाब में बंदा सिंह बहादुर के व्यक्तित्व को लेकर लिखी गई पहली पुस्तक कहा जा सकता है। इसके बाद दूसरी पुस्तक भाई मति दास जी, जिन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में देश और धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया था, के वंशज भाई परमानंद जी ने 'वीर वैरागी' नाम से पुस्तक लिखी। लेकिन अब तक ब्रिटिश साम्राज्य ने पंजाब में हिंदू-सिख का विवाद खड़ा कर दिया था। इसलिए उन विवादों के केन्द्र में बंदा सिंह बहादुर भी घेर लिया गया। बंदा बहादुर खालसा पंथ में दीक्षित होने से पहले वैष्णव पंथ व बाद में नाथ पंथ में था। वैष्णव पंथ में दीक्षित होने के कारण वह वैरागी विशेषण से प्रसिद्ध था। इसलिए बंदा बहादुर को लेकर सारी विद्वता इसी को लेकर सिमटने लगी कि क्या बंदा बहादुर को वैरागी लिखा जाए या खालसा लिखा जाए। इसके साथ ही यह विवाद भी गहराने लगा कि क्या वैष्णव पंथ और नाथ पंथ की उसकी जीवन यात्रा को जीवन संघर्ष से पलायन माना जाए? भाई परमानंद जी बंदा बहादुर को वैरागी लिखा करते थे। इस हालात में करम सिंह हिस्टोरियन ने फिर से मोर्चा संभाला। अबकी बार उनका विषय था कि 'बंदा सिंह बहादुर कौन था?' कौन से अभिप्राय उनके समग्र जीवन के विविध प्रसंगों की खोजबीन करना शायद उतना नहीं था, जितना इस विषय पर चर्चा करना था कि वह वैरागी था या खालसा? हिन्दू था या सिख? उसने अमृत पान किया था या नहीं? दरअसल बन्दा सिंह बहादुर पर करम सिंह ने जो किताब लिखी थी उसमें उन्होंने जो अनेक निष्कर्ष निकाले थे उनमें से एक उनके अमृतपान को लेकर भी था। उनके अनुसार, 'बंदा गुरु गोविंद सिंह जी का सिख नहीं बना था। वह वैरागी साधु था और अंत तक वैरागी ही रहा।' यह संयोग था कि इसके बाद बन्दा बहादुर पर दूसरी पुस्तक भाई परमानंद जी की 'वीर वैरागी' नाम से आई। परमानंद जी ने बन्दा बहादुर को हिन्दू लिखा। पंजाब में ब्रिटिश सरकार ने जिस प्रकार का वातावरण बना दिया था उसमें तुरन्त तलवारें खिंच गईं। करम सिंह ने भी तुरन्त मोर्चा सम्भाल लिया। उन्होंने नई किताब लिखी- 'बन्दा कौन था?' लेकिन इसमें मुख्य बिन्दु हिन्दू-सिख ही रहा। इसमें उनका निष्कर्ष था- 'मेरा यह निश्चय है कि बंदा बहादुर सिख ही नहीं बल्कि पूरा अमृतधारी सिख था।' अपने अलौकिक बलिदान के लगभग दो सौ साल बाद भी तथाकथित इतिहासकारों के कक्षों में बंदा बहादुर इस विवाद में घिरा हुआ था कि वह हिंदू था या सिख? लेकिन इसका परोक्ष लाभ यह हुआ कि इस महत्वहीन विवाद के साथ साथ बन्दा बहादुर के बारे में बहुत शिद्दत से गंभीर शोध कार्य भी होने लगा। करम सिंह हिस्टोरियन ने हिन्दू-सिख विवाद के साथ साथ बन्दा बहादुर और मुगलों के युद्धों का क्रमवार वर्णन भी किया।

आलेख

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए। सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे। महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है। बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुन्ने अभियान' के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की 'आजीविका उन्नयन योजना' तैयार की गई है। बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है। उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं।

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

हरिशंकर व्यास

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे। पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। 'एक देश, एक कानून' का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला। एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई। इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है। अगर प्रचार के लिए उपलब्धियों की बात करें तो उसकी सूची इतनी लंबी है कि कई पन्ने कम पड़ जाएंगे। एक बड़ी उपलब्धि आधार है, जिसका मुख्यमंत्री रहते मोदी ने विरोध किया था। प्रधानमंत्री बने तो आधार को हर चीज के लिए अनिवार्य किया गया। अब पता चला है कि आधार किसी काम का नहीं है। सोचें, एक समय पूरा देश अपने बैंक खाते आधार से जोड़ रहा था, वोटर आईडी आधार से जोड़ रहा था, पैन कार्ड को आधार से जोड़ रहा था और बाद में पता चला कि इनमें से किसी दस्तावेज का कोई खास मतलब नहीं है। देश का नागरिक अदालत में 16 दस्तावेज पेश करके भी अपने को नागरिक नहीं प्रमाणित कर पा रहा है। लाल किले से पहले भाषण में प्रधानमंत्री ने सफाई और शौचालय की बात की। बहुत अच्छी बात थी। लेकिन अब कोई बात नहीं करता है। भारत दुनिया के सबसे गंदे शहरों वाला देश है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात होती है तो नौ भारत के होते हैं। लाल किले से पहले भाषण में जैम यानी जन धन खाता, आधार और मोबाइल की बात की और उसके जरिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की योजना चली। क्या उससे देश के लोगों का सशक्तीकरण हुआ? आधार, मोबाइल और जन धन खाता सिर्फ सरकारों की ओर से मिलने वाली मुफ्त की रेवड़ी के ट्रांसफर का माध्यम बना।

जीडीपी से नहीं, जमीन पर नजर आए बदलाव

योगेंद्र योगी

भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा। बड़ी संख्या में युवा अभी बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी शिक्षा के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, फिर भी अभी और काम करने की जरूरत है। रोजगार मिलने से कई समस्याएं हल हो जाएंगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से भारत की तरक्की का जश्न मनाने के लिए कहते हुए 7.8 फीसदी की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई दी। सवाल यह है कि क्या आम आदमी देश में जीडीपी ग्रोथ को समझता है। क्या जीडीपी बढना् देश की मौजूदा समस्याओं के समाधान का कोई पैमाना है। देश में जब प्रधानमंत्री जीडीपी बढ़ोतरी की घोषणा कर रहे थे, उसी दिन कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपए, मुंबई में 2701 रुपए और चेन्नई में 2916.50 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा होना तय है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपए बढक़र 764 रुपए हो गया है। मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपए से बढक़र 102 रुपए प्रति लीटर हो गई है। भारत में जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान खाद्य महंगाई दर बढक़र 5.52 प्रतिशत हो गई है, जिसके कारण चीनी, प्याज, टमाटर, दाल और खाना पकाने के तेल जैसी जरूरी रसोई की चीजें महंगी हो गई हैं। चावल और दूध के दाम भी स्थिर से लेकर उच्च स्तर पर बने हुए हैं। महंगाई बढने् के कारण

प्याज (22.54 फीसदी), लहसुन (35.36 फीसदी) और अदरक (83.62 फीसदी) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढक़र 4.43 फीसदी हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढक़र लगभग 7.72 फीसदी हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाइयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं में कोई बेहतरी नजर आए। देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सडक़, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2026 में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड बिजली मांग (मई 2026 में 270 गीगावाट से अधिक) और स्थानीय रखरखाव के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, ओडिशा और तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों के इलाकों में आंशिक या अस्थायी कटौती की गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेघरता की दर प्रति 10000 लोगों पर 13 है। अर्थात 17 प्रतिशत लोगों के पास अपना घर नहीं है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 35 प्रतिशत गांवों में स्थानीय स्तर पर कोई भी बुनियादी चिकित्सा सुविधा या स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की भारी कमी है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक खाली पड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों (2014-15 से 2024-25) में देश भर में करीब 94000 सरकारी स्कूल बंद या आपस में मर्ज किए गए हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन 25 स्कूलों पर ताला लगा है। इसी दशक में सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों का नामांकन 2.26 करोड़ कम हुआ है, जो 2014-15 के 26.95 करोड़ से घटकर 2024-25 में 24.69 करोड़ रह गया है। देश के एक लाख से अधिक स्कूलों में आज भी बिजली की उचित सुविधा नहीं है, और कई स्थानों पर पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। 71959 स्कूलों में लड़कियों के लिए और 1.12 लाख स्कूलों में लडक़ों के लिए काम करने वाले शौचालय मौजूद नहीं हैं।

बच्चों के भविष्य का निर्माण केवल सुविधाओं से नहीं, बल्कि माता-पिता के सान्निध्य और संस्कारों से होता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी

गुणायतन (विश्व परिवार)। राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने परिवार और बच्चों के संस्कारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता-पिता बच्चों को जीवन में बहुत कुछ दें या न दें, लेकिन उन्हें अपना समय अवश्य दें। बच्चों के लिए माता-पिता का समय सबसे अनमोल उपहार है। चाहे व्यक्ति कितना भी व्यस्त क्यों न हो, बच्चों के लिए समय निकालना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुनि श्री ने कहा कि माता-पिता स्वयं से यह प्रश्न करें कि यदि उनके पास बच्चों के लिए समय ही नहीं है तो उनका जीवन आखिर किसके लिए है। उन्होंने कहा कि व्यस्तताओं के बीच भी बच्चों के साथ संवाद और संगति के लिए समय निकालने का प्रयास होना चाहिए। बच्चों के वर्तमान समय में माता-पिता की उपस्थिति और सहभागिता उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के मन में संस्कार जगाने के लिए केवल उपदेश देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके भीतर कुछ मूलभूत जीवन-मूल्यों को विकसित करना आवश्यक है। इसके लिए माता-पिता चार

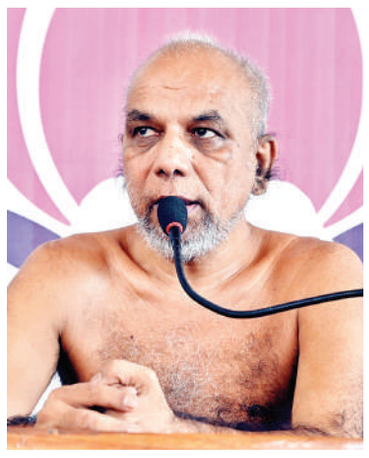

बातों पर विशेष ध्यान दें।

पहला : औचित्य का विवेक। बच्चों के भीतर यह समझ विकसित करें कि क्या सही है और क्या गलत, क्या उचित है और क्या अनुचित तथा किसी कार्य की सीमा और मर्यादा क्या होनी चाहिए। जब बच्चे सही-गलत का निर्णय स्वयं करने लगेंगे, तब वे परिस्थितियों के दबाव में भी गलत रास्ते पर जाने से बचेंगे।

दूसरा : पाप का भय। बच्चों के अंतर्मन में पाप और गलत कर्मों के प्रति भय उत्पन्न करें। उन्हें यह समझाएं कि गलत कार्य का प्रभाव केवल समाज या परिवार पर नहीं, बल्कि स्वयं के व्यक्तित्व और अंतर्मन पर भी पड़ता है। ऐसा विवेक उन्हें बुराइयों से दूर रखने में सहायक बनेगा।

तीसरा : संवेदनशीलता। मुनि श्री ने कहा कि बच्चों के भीतर संवेदनशीलता का विकास करना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें दूसरों के सुख-दु:ख को समझना, जरूरतमंद की सहायता करना और अपने व्यवहार से किसी को पीड़ा न पहुंचाना सिखाएं। संवेदनशील मन ही अच्छे समाज का निर्माण करता है।

चौथा : कर्तव्यबोध। बच्चों को उनके अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराएं। परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं के प्रति उनकी जिम्मेदारियां क्या हैं, इसका संस्कार बचपन से ही दिया जाना चाहिए।

मुनि श्री ने कहा कि यदि इन चार बातों को बच्चों के मन में दृढ़ता से स्थापित कर दिया जाए तो वे जीवन में कहीं भी जाएं, किसी भी परिस्थिति का सामना करें, उनके भीतर संस्कार, सदाचार और जीवन-मूल्य सुरक्षित रहेंगे। उनका व्यक्तित्व मजबूत होगा और वे सही निर्णय लेने में सक्षम बनेंगे।उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार देने की शुरुआत परिवार से ही होती है। माता-पिता का व्यवहार, उनकी दिनचर्या,आपसी संवाद और बच्चों के साथ बिताया गया समय ही उनके लिए सबसे बड़ा विद्यालय है। इसलिए परिवार को यह समझना होगा कि बच्चों के भविष्य के लिए केवल अच्छी शिक्षा और सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समय, संस्कार, संवेदनशीलता और सही दिशा भी उतनी ही जरूरी है। गुणायतन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' ने बताया शंकासमाधान कार्यक्रम में एक बच्ची द्वारा प्रश्न किया गया उसका जबाब देते हुये मुनि श्री ने कहा कि बच्चों के भविष्य का निर्माण केवल सुविधाओं से नहीं, बल्कि माता-पिता के सान्निध्य और संस्कारों से होता है गुणायतन परिसर में प्रात: शांति धारा मुनि श्री संधान सागर जी महाराज के मुखारविंद से संपन्न हुई एवं गुना मध्यप्रदेश के परिवार द्वारा श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन हुआ बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया के निर्देशन में भगवान की 1008 नाम के साथ 1024अर्घ समर्पित किए गए!

मनुष्य का जीवन बचपन, यौवन, प्रौढ़ावस्था व वृद्धावस्था से गुजरता है: निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (विश्व परिवार)। जीवन की कहानी सोने के लिए नहीं,जागने के लिए सुनेंजीवन एक कहानी है,और इस कहानी को ध्यान से सुनने की आवश्यकता है,संसार की कहानियां जहां मनुष्य को सुला सकती हैं, वहीं जिनवाणी और ज्ञानी गुरु की वाणी मोह की नींद से जगाकर आत्मचेतना की ओर ले जाती है हम सभी का जीवन भी एक कहानी है, उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने 'What is Life ?' श्रृंखला में 'Life is a Story' विषय पर कहा। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्र प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि कहानी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार और जीवन-दृष्टि देने का प्रभावी माध्यम है। बचपन में दादी-नानी की कहानियों से बच्चों को संस्कार मिलते हैं,वंही जिनवाणी की कथा मनुष्य को जगाने का कार्य करती है। जीवन की सच्ची गाथा उसी से सुननी चाहिए,

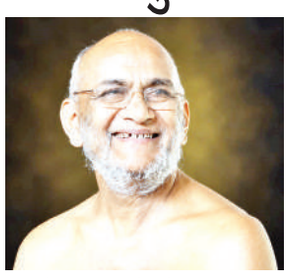

जिसने उस मार्ग को स्वयं जिया हो।अपने बाल्यकाल के संस्मरण सुनाते हुए मुनि श्री ने कहा कि उन्होंने भी अपनी मां से जिनवाणी और धर्म से जुड़ी कथाएं सुनीं।मां चित्रों के माध्यम से धार्मिक प्रसंग समझाती थीं, जबकि पिता पद्मपुराण की वाचना करते थे। राम-रावण की कथा सहित इन प्रसंगों को सुनते-सुनते कब धर्म के संस्कार जीवन का हिस्सा बन गए यह पता ही नहीं चला? उन्होंने कहा कि प्रत्येक कहानी में पात्र, घटनाक्रम, संघर्ष और निष्कर्ष होता है। मनुष्य का जीवन भी बचपन, यौवन, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था से गुजरता है।

बचपन संस्कारों की नींव रखता है,यौवन इच्छाओं और कर्तव्यों के संघर्ष से गुजरता है,प्रौढ़ावस्था में अनुभव विवेक में बदलता है और वृद्धावस्था मनुष्य को आत्मचिंतन तथा शांति की ओर ले जाने का अवसर देता है।उन्होंने नदी में आई बाढ़ की कथा के माध्यम से जीवन की दिशा समझाई। जलप्रपात की ओर तेजी से बढ़ती नाव में एक व्यक्ति भोजन-सामग्री बचाने लगा, दूसरा सोने-चांदी के आभूषण समेटने लगा,तीसरा दूसरों को दोष देता रहा,जबकि चौथे ने पतवार संभालकर नाव को किनारे की ओर मोड़ दिया। मुनि श्री ने कहा कि संसार में मनुष्य भी धन,सुख-सुविधाओं और परस्पर दोषारोपण में उलझकर यह भूल जाता है कि जीवन की नाव मृत्यु की ओर बढ़ रही है। धर्म और सही पुरुषार्थ ही उसे मोक्ष के किनारे तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यही संस्कार आगे चलकर जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। मुनि श्री ने पूर्व आचार्यों को स्मरण करते हुये कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जैसे महापुरुषों के जीवन में भी संस्कारों की शक्ति स्पष्ट दिखाई देती थी।

मनुष्यता का सूत्रपात करता हे विनय भाव : आचार्य समय सागर महाराज जी

- 16से 25 सितंबर तक विधोदयअध्यात्म साधना शिविर में शामिल होंगे हर वर्ग के श्रद्धालु

भोपाल (विश्व परिवार)। आचार्य समय सागर महाराज सा संघ सानिध्य में वर्षा योग की साधना में मुनि संघ ब्रह्मचारी भइया बहनों द्वारा निरंतर आध्यात्मिक क्रियाओं के साथ तप त्याग संयम की साधना हो रही हे, प्रतिदिन अनेकों भक्त दर्शन के साथ जीवन को सात्विक विचार धारा के साथ आचरण में ढालने का संकल्प ले रहे हैं, रतनकरंडक श्रावकाचार समयसार ग्रंथ की व्याख्या ओर तत्त्वार्थसूत्र की विशेष व्याख्यान के सार में आचार्य श्री ने कहा बोलचाल व्यवहार आचरण में विनय भाव होना चाहिए, ये भाव ही मनुष्य के जीवन में मनुष्यता का सूत्रपात करने का प्रमुख गुण हे, क्रोध अहंकार के साथ मनुष्य के सारे गुण को अवगुण बना देता हे, क्रोध रूपी अग्नि को शांत करने क्षमा ओर समता

रूपी जल आवश्यक हे, संसार में अपना अलग स्थान बनाने क्षमा विशिष्ट गुण और अहिंसामय जीवन का आधार हे, चातुर्मास समिति मुख्य संयोजक मनोज बांगा स्वागत अध्यक्ष अखिलेंद्र जैन ने बताया 10 दिवसीय दशलक्षण धर्म में आचार्य संघ के सानिध्य में 16 से 25 सितंबर तक लगने वाले विधोदय अध्यात्म साधना शिविर में देश भर के श्रदालु रेजिस्ट्रेशन कर रहे हैं, शिविर में उच्चाधिकारी डॉ इंजीनियर के साथ प्रमुख व्यवसाई समाज सेवी भी शामिल होंगे, राज धानी के सभी मंदिरों में इसके लिए तैयारी प्रारंभ हो गई है, श्वेतांबर समाज में आज पोथाजी शोभा यात्रा वही दूसरी ओर श्वेतांबर जैन समाज के आत्म शुद्धि के पर्व में साधना के साथ अनुष्ठान हो रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने किया भूमिपूजन

- पिपरिया में 2.50 करोड़ की लागत से बनेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन

कवर्धा (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज पिपरिया में 2 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस दौरान शर्मा ने पिपरिया नगर पंचायत क्षेत्र में लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष घुरवा राम साहू, उपाध्यक्ष शिव चरण पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, मुकेश अग्रवाल, कमलकांत नाविक, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत पिपरिया वासियों को मिली बड़ी सौगात

पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत पिपरिया में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण हो जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के पिछले ढाई वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश के साथ-साथ कबीरधाम जिले में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय कवर्धा में लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से सिटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है। इसके माध्यम से प्रत्येक माह लगभग एक हजार लोगों का सफलतापूर्वक सिटी स्कैन किया जा रहा है। इसके अलावा जिला अस्पताल में एएनएम की नियुक्ति भी की गई है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना जिले एवं पूरे अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगी। कवर्धा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस का पहला बैच प्रारंभ हो गया है और वर्तमान में शासकीय मेडिकल कॉलेज में 42 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

प्राचार्य एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक आयोजित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिला शिक्षा अधिकारी के. एस. मेरावी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा नरेन्द्र वर्मा ने गुरुवार को प्राचार्य एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक बृजलाल वर्मा शासकीय महाविद्यालय पलारी में ली। बैठक मे विकासखण्ड पलारी के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा, संकुल प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों, समस्त अशासकीय शालाओं के प्राचार्य एवं प्रधानपाठकों का विभाग एवं समग्र शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न एजेन्डाओं पर समीक्षा की गई। इसमें प्रमुख रूप से प्रशस्त एप, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पेड़ लगाने की समीक्षा, नशा मुक्त विद्यालय की जानकारी, अपार आईडी की जानकारी, बालवाड़ी की जानकारी, आईसीटी योजना की जानकारी, यू डाइस की जानकारी, शिक्षकों की प्रोफाईल एन्ट्री, स्कूल

प्रोफाईल एन्ट्री, ड्राप बाक्स में बच्चों को इम्पोर्ट करना संबंधी सभी प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों से जानकारी ली गयी। साथ ही जेम पंजीयन की जानकारी पर चर्चा, एसएनए स्पर्श पर चर्चा, आईसीटी योजना, रंगाई पोताई, निरीक्षण पर चर्चा, व्हीएसके 2.0 नवीन वर्जन पर चर्चा, लईका चिन्हारी एप बच्चों के सर्वे पर चर्चा, एफएलएन कीट का नियमित उपयोग पर चर्चा, एफएलएन को सभी स्कूलों में 100 प्रतिशत प्राप्ति के लक्ष्य पर चर्चा,सभी संकुल प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों को शालाओं का नियमित निरीक्षण कर राज्य एवं जिले द्वारा चाही गयी वांछित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराये जाने निर्देशित किया गया।

जन शिक्षण संस्थान में हुआ महिलाओं का क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। जन शिक्षण संस्थान दंतेवाड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त संस्थान में दिनांक 07 सितंबर से 08 सितंबर तक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारी, कर्मचारी एवीएन प्रशिक्षकों की कार्यक्षमता का विकास तथा, प्रशिक्षनार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। इस संबंध में कार्यक्रम निदेशक श्रीमती कामिनी पटनायक ने बताया कि इस कार्यालय में बैंक ऋण और आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया की जानकारी, प्रशिक्षण के लिए उन्नत रोजगार और स्वरोजगार, बैंकिंग धोखाधड़ी और साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

इसके साथ ही सखी सेंटर दंतेवाड़ा की काउंसलर श्रीमती पुष्पा भट्ट द्वारा महिला प्रतिभागियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कौशल प्रशिक्षण के पश्चात रोजगार एवीएन स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने, महिलाओं से हिंसा के प्रकरण, के संबंध में सखी केंद्र में आकर अपनी समस्या का समाधान करने को कहा गया। उक्त कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सहायक कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार यादव फील्ड ऑफिसर अनिकेत कुमार लेखाकार जुम्मन सिंह ठाकुर सहित समस्त प्रशिक्षकों ने अपनी सहभागिता की।

घाटशिला स्टेशन में गीतांजली एक्सप्रेस एवं आजाद हिन्द एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के घाटशिला स्टेशन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गीतांजली एक्सप्रेस एवं आजाद हिन्द एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा 11 सितम्बर 2026 से उपलब्ध कराई जा रही है।

विवरण इस प्रकार है - गाड़ी संख्या 12859 सीएसएमटी-हावड़ा गीतांजली एक्सप्रेस, दिनाँक 11 सितम्बर 2026 से आगामी आदेश तक घाटशिला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी घाटशिला स्टेशन 09.44 बजे पहुंचेगी तथा 09.45 बजे रवाना होगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12860 हावड़ा-सीएसएमटी गीतांजली एक्सप्रेस दिनाँक 11 सितम्बर 2026 से आगामी आदेश तक घाटशिला

स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी घाटशिला स्टेशन 16.31 बजे पहुंचेगी तथा 16.32 बजे रवाना होगी।

गाड़ी संख्या 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिन्द एक्सप्रेस दिनाँक 11 सितम्बर 2026 से आगामी आदेश तक घाटशिला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी घाटशिला स्टेशन 01.07 बजे पहुंचेगी तथा 01.08 बजे रवाना होगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12130 हावड़ा-पुणे आजाद हिन्द एक्सप्रेस दिनाँक 11 सितम्बर 2026 से आगामी आदेश तक घाटशिला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी । यह गाड़ी घाटशिला स्टेशन 00.31 बजे पहुंचेगी तथा 00.32 बजे रवाना होगी।

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलीगेंस ने सदस्यों के लिए आयोजित की Nail Art वर्कशॉप

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी क्लब ऑफरायपुर एलीगेंस अपने सदस्यों के लिए समय-समय पर ज्ञानवर्धक, उपयोगी और मनोरंजक वर्कशॉप आयोजित करने के लिए रोटरी डिस्ट्रिक्ट में अपनी अलग पहचान बना चुका है। इसी कड़ी में क्लब ने Bellance Nails के साथ मिलकर अपने सदस्यों के लिए ग्लैम डेट ब्यूटी एवं वेलनेस वर्कशॉप का आयोजन 10 सितंबर 2026 को जोरा मॉल में किया।

वर्कशॉप का मार्गदर्शन Bellance Nails की चेयरपर्सन रोटेरियन नम्रता परगनिहा ने किया। इसमें सदस्यों को आधुनिक जीवनशैली के अनुसार सेल्फ-केयर, ब्यूटी और पर्सनल ग्रूमिंग से जुड़ी उपयोगी जानकारी दी गई।

सदस्यों को फेशियल पिलेट्स

के माध्यम से चेहरे की मांसपेशियों को टोन करने, त्वचा में कसाव और प्राकृतिक निखार लाने की तकनीकें सिखाई गईं। साथ ही नेल केयर, नाखूनों की देखभाल और आधुनिक नेल ग्रूमिंग की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम का खास आकर्षण जेल नेल आर्ट रहा, जिसका सभी सदस्यों ने आनंद लिया। यह वर्कशॉप सीखने के साथ-साथ फेलोशिप, सेल्फ-केयर और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर एक सुखद अनुभव रही।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन प्रियंका गुप्ता ने कहा कि क्लब अपने सदस्यों के ज्ञान, व्यक्तित्व और फेलोशिप को बढ़ाने के लिए लगातार ऐसे नए और उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। सचिव रोटेरियन डॉ. स्वाति अग्रवाल ने कहा कि ग्लैम डेट सदस्यों के लिए एक ज्ञानवर्धक, आनंददायक और यादगार अनुभव रहा।

रोटेरियन नम्रता परगनिहा ने कहा कि व्यस्त दिनचर्या के बीच स्वयं के लिए समय निकालना और सेल्फ-केयर पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है।

भाग कर विवाह करना, इस प्रवृत्ति का भारतीय संस्कृति में कोई स्थान नहीं है: मुनि श्री श्रमण सागर जी

- राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचन माला
- श्रमण संस्कार शिविर 16 से 25 सितंबर तक।

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। इस युग के महान संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, महान तपस्वी, ओजस्वी वक्ता, बुंदेली महाकवि, विद्या कुल शिरोमणि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ नगर में श्रमण धारा प्रवचन माला के अंतर्गत शुभ विवाह परंपरा में विकृति विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा वर्तमान में युवक युवती पश्चात संस्कृति के प्रभाव में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को भूलकर शुभ विवाह की परंपराओं के स्थान पर विवाह करने के अनेक तरीके अपना रहे हैं। प्रेम विवाह, वीकेंड मैरिज, लिव इन रिलेशनशिप स्वतंत्र विवाह आदि

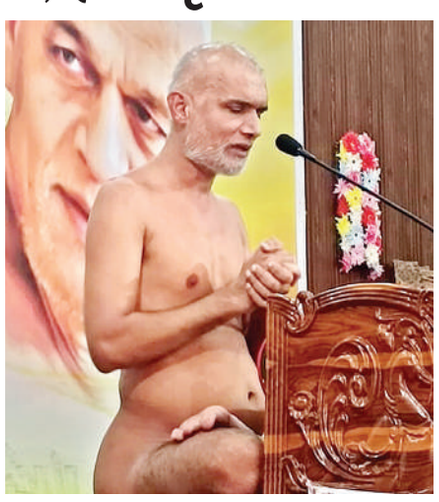

की ओर बढ़ रहे हैं। विवाह करने के नित्य नए तरीके निकाले जा रहे हैं। विवाह करने के नाम पर भोग विलासिता के यह नए-नए तरीके समाज को पतन की ओर ले जा रहे हैं। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के सुपुत्र भरत चक्रवर्ती घर में ही बैरागी थे, सुप्रसिद्ध जैन आचार्य माघनंदी महाराज मुनि दीक्षा छोड़कर गृहस्थ बन गए थे। एक दिन उन्हें याद आया कि मैंने यह क्या कर लिया। पुन: मुनि दीक्षा ली और मुनि बन गए। जैन दर्शन की एक और घटना बताते हुए आपने कहा विजय सेठ एवं उनकी पत्नी विजया दोनों ने कृष्ण पक्ष एवं शुक्ल पक्ष के ब्रह्मचर्य व्रत को विवाह के पूर्व लिया था आजीवन दोनों ने पति-पत्नी रहते हुए भी भाई बहन की तरह जीवन यापन किया और धर्म साधना की। मन, वचन, काय से ब्रह्मचर्य का पालन करना तलबार की धार पर चलने के समान है। अपने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा जिस दिन भारतीय संस्कृति से विवाह पद्धति समाप्त हो जाएगी मोक्ष का मार्ग बंद हो जाएगा। विवाह भाग कर नहीं जाग कर करो। मुनिराज ने कहा पहले युवक युवती प्रेम विवाह करते थे अब बिना विवाह के ही लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे हैं। आपने कहा लिव इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता की मांग की जा रही है।वीकेंड शादी के नाम पर युवक युवती शनिवार इतवार को साथ रहते हैं शेष दिनों में वह स्वतंत्र हैं। स्वतंत्र शादी इसलिए करते हैं कि दुनिया को दिखाने पति-पत्नी हैं मगर वह वैवाहिक जीवन में गृहस्थी नहीं बसाते हैं, स्वतंत्र रहते हैं। आपने कहा विधि विधान से मांगलिक शुभ विवाह की परंपरा समाप्त हो जाएगी तो आने वाले 25 वर्ष बाद समाज का क्या होगा। जैन मंदिरों में दर्शन करने कौंन आएगा। मुनि आर्यिका माताओं की सेवा कौंन करेगा। यह समाज के लिए विचारणीय प्रश्न है।

जैन समाज राघौगढ़ के कार्यक्रम संयोजक विकास कुमार जैन ने बताया है राघौगढ़ नगर में चातुर्मास कर रहे मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में दस लक्षण पर्व के शुभ अवसर पर आगामी 16 से 25 सितंबर तक श्रमण संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जा रहा है। शिविर के पुण्यार्जक परिवार सिंघई अशोक कुमार राजेश कुमार भारिल्य परिवार का प्रवचन सभा उपरांत पगड़ी, पहनाकर, दुपट्टा डालकर, पुष्टाहार पहना कर सम्मान किया।

टेहका फाटक पर रेल मरम्मत कार्य के चलते सड़क यातायात रहेगा बंद

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत भाटापारा क्षेत्र में रेलवे समपार क्रमांक 382 (किमी 759/4-6), टेहका फाटक (निपनिया-भाटापारा) में रेल मरम्मत का

आवश्यक कार्य किया जाना है। दिनांक 15 सितंबर 2026, मंगलवार सुबह 09:00 बजे से 18 सितंबर 2026, शुक्रवार सुबह 09:00 बजे तक उक्त रेलवे समपार पर सड़क वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। रेलवे प्रशासन यात्रियों एवं आम नागरिकों से अपील करता है कि उक्त अवधि में टेहका रेलवे फाटक का उपयोग न करते हुए निर्धारित वैकल्पिक मार्ग से आवागमन करें। रेलवे प्रशासन इस आवश्यक मरम्मत कार्य के दौरान आम नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अदभुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने मे जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

अंतागढ़ के 122 जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने थामा भाजपा का दामन

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिलाई सदस्यता, कहा : संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के अन्तागढ़ विधानसभा क्षेत्र के 122 जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी को भाजपा का गमछा पहनाकर पार्टी में विधिवत प्रवेश कराया। सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से क्षेत्र के पंच, सरपंच, जनपद सदस्य एवं ग्राम पटेल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय जनता पार्टी परिवार में अंतागढ़ क्षेत्र के सभी 122 जनप्रतिनिधियों, पंच-सरपंचों, जनपद सदस्यों और सम्मानीय ग्राम पटेलों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए इस अवसर पर कहा कि प्रदेश के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों का यह विश्वास दर्शाता है कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की अटूट आस्था है। सभी नवप्रवेशी जमीन से जुड़े हुए जनसेवक हैं, उनके भाजपा में आने से संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। हम सब मिलकर अंत्योदय के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ के हर गाँव और हर नागरिक तक विकास की किरण पहुँचाने के लिए निरन्तर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ नवीन मार्कंडेय, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, कांकेर जिला अध्यक्ष महेश जैन, प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नवप्रवेशी जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए संगठन के साथ मिलकर पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प दोहराया।

पोला पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपरा के प्रतीक लोक-पर्व 'पोला' की समस्त प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोला हमारे किसान भाइयों के परिश्रम, कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। श्री साय ने भगवान शिव और नंदी बैल से प्रार्थना की कि यह पावन त्योहार प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

किसानों की खुशहाली के लिए राजा खड़ग राज कुमार सिंह ने सुतियापाट में की पूजा अर्चना

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। अल्प वर्षा एवं फसलों में लग रही कई प्रकार की बीमारी से वनाँचल के किसान खासे परेशान है। खासकर किसानों की मुख्य फसल धान में कम पानी गिरने से जहाँ पौधों की वृद्धि रुक गई है वहीं कई प्रकार की वीमारी भी पर्याप्त पानी नहीं गिरने से लग रही है। ग्रामीणों की मान्यता अनुसार हर वर्ष सुतियापाट देव स्थल में सामूहिक पूजा अर्चना करने से पानी गिरती है। इस लिए इस बार भी किसानों ने पानी नहीं गिरने की समस्या से निजाद पाने के लिये सुतियापाट में सामूहिक पूजा अर्चना करने का निर्णय लिया जिसके लिए राजपरिवार सहसपुर लोहारा के राजा खड़ग राज कुमार सिंह को आंमत्रित किया गया । ग्राम कटंगी में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर। राजा खड़ग राज सिंह ने कहाँ की ये परिवार हमारा परिवार है। आप सब तकलीफ में हो तो वहीं तकलीफ हमें भी होती है। आप हमें सुख के समय भले याद ना करे पर दुख और तकलीफ में हमें जरूर याद किया करे आप सबके निर्णय का हम सम्मान करते है आप सबके साथ हम सुतियापाट जाकर पूजा पाठ कर हम सबकी मंगलकामना करेंगे। साथ ही उन्होंने कहाँ की हम अपने ग्राम देवताओं को भूल रहे है जो हमारे गांवो की हर विपदा, तकलीफ परेशानी से बचाते हुए आई अत: ग्राम देवताओं का भी पुरे मान सम्मान एवं पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना करे जिससे हम और गांव खुशहाल बने। वहीं ग्रामीणों ने राजा खड़ग राज सिंह के गांव पहुंचने पर पारंपरिक तरीके से उनका अभूतपूर्व स्वागत करते हुए कहाँ की जब जब विपदा आई है तो हमारे श्रद्धा एवं विश्वास के केंद्र राजमहल ने हमारी रक्षा की है और हमारा मार्गदर्शन किया है। राजा साहब हमारे बुलावे पर यहां पहुंचकर फिर एक बात सिद्ध कर दी है की वो हमारे है और वो हमें दुखी नहीं देख सकते। इसके बाद राजा खड़ग राज सिंह एवं सैकड़ो ग्रामीणों ने सुतियापाट पहुंचकर पुरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियो कि खुशहाली कि कामना करते हुए अच्छी वर्षा हो, अच्छी फसल हो और हमारा गांव विपदा एवं परेशानियों से बचें ताकि हम सब उन्नति कर सके। इसके बाद राजा खड़ग राज सिंह ग्रामीणों बीच सहजता से जमीन में बैठकर लोगो का हालचाल जाना। राजा कि इस सरलता और आत्मीय व्यवहार से ग्रामीणों में राजा के प्रति समान का भाव और बढ़ गया।

बारसूर के पर्यटन स्थलों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

■ सुविधाओं के विस्तार एवं व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने जिले के विकासखंड गीदम अंतर्गत फरसपाल एवं बारसूर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन स्थलों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली तथा पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रथम क्रम में कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने फरसपाल स्थित पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल के आसपास पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने, पर्यटकों की आवाजाही को सुगम करने तथा स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही पर्यटन स्थल के समीप उपलब्ध शासकीय भूमि का चिन्हांकन कर आवश्यकतानुसार पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए उपयोग करने की दिशा में कार्यवाही करने को कहा। कलेक्टर ने वन विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे पर्यटन कॉटेज का भी निरीक्षण किया और कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर उन्हें पर्यटकों के लिए जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को ठहरने की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके।

इसके पश्चात कलेक्टर ने बारसूर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा, साफ-सफाई, पहुंच मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बारसूर में पर्यटकों के ठहरने की सुविधा के लिए बनाए जा रहे कॉटेज का कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने अवलोकन किया।

उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर पर्यटकों के लिए सुविधा प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर श्री ध्रुव ने वार्ड क्रमांक 01 स्थित बासनतराई पारा के हिरमराज मंदिर का भी निरीक्षण किया।

आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने नगर निगम जोन 4 के विभिन्न स्थानों के निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने नगर निगम जोन 4 क्षेत्र के विभिन्न स्थानो का निरीक्षण अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, उप अभियंता हिमांशु चंद्राकर, जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी पुरन तांडी विरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में किया। प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानो पर गंदगी पाये जाने पर अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने गहन अप्रसन्नता व्यक्त की एवं गंदगी फैलाने वाले संबंधित व्यक्तियों पर जुर्माना करने और उन्हें स्वच्छता को लेकर हिदायत देने के निर्देश दिये। अपर आयुक्त के निर्देश पर जोन 4 जोन कमिश्नर के मार्गनिर्देशन में जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने गंदगी पाये जाने पर संबंधित 6 व्यक्तियों सोनू सोनकर पर 2000 रू., संतोष देवभोग मिल्क पार्लर पर 5000 रू., ऋषभ रक्सेल पर 2000 रू., सुनील लहरवानी, जलन सागर, चेतन मंडले पर 500-500 रू. कुल 6 व्यक्तियों पर 10500 रू. का ई चालान गंदगी पाये जाने पर किया एवं उन्हें भविष्य के लिये कडी चेतावनी के साथ स्वच्छता बनाये रखने की कडी हिदायत स्थल पर दी।

वन एवं पुलिस विभाग की तत्परता से ग्राम सिंघनपुरी में तेंदुए का सुरक्षित रेस्क्यू

कवर्धा। वन मंडल कवर्धा के अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी में गुरुवार प्रात: खेतों के बीच स्थित मार्ग के समीप तेंदुआ दिखाई देने की सूचना मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग के सहयोग से सफल एवं सुरक्षित रेस्क्यू अभियान संचालित किया। वन मंडल अधिकारी श्री निखिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में उप वन मंडल अधिकारी कवर्धा, परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा एवं भोरमदेव अभयारण्य, थाना प्रभारी कवर्धा एवं राजनवागांव तथा वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। टीम ने सबसे पहले ग्रामीणों को आवश्यक समझाइश देकर भीड़ को नियंत्रित किया और क्षेत्र की घेराबंदी कर मानव एवं वन्यप्राणी दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35272/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35272
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **47** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443E00065** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VAJINDER SINGH TALUJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O DALJEET SINGH TALUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TRILOCHAN SINGH SACHDEVA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. THAN SINGH SACHDEVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र प्रस्तुत** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35271/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35271
वार्ड का नाम-29- गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **29** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334D00282** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JITENDRA PANDEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O BAIJNATH PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MUSHTARI BEGUM** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ABDUL HAMID MIRZA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35267/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35267
वार्ड का नाम-65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **65** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR662G00252** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAUSHLIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O PARMESHWAR SONA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR SONA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SHRI PARMESHWAR SONA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु के उपरांत एवं शपथ पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा **कॉलोनी पुरेना, जिला-रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत पुरेना जिला- रायपुर में ई.डब्ल्यु. एस. फ्लैट क्रमांक 02, ब्लांक-13 भूतल, श्रीमति माहेश्वरी चन्द्राकर पिता श्री चक्रधर चन्द्राकर,** के नाम पर इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक 2487 दिनांक 20.04.2009** को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट का लीजडीड **दिनांक 14.10.2009** को निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी श्रीमति **माहेश्वरी चन्द्राकर पिता श्री चक्रधर चन्द्राकर पता- तेन्दुआ रोड, हीरापुर बाजार के सामने हीरापुर रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमति बबली शेजवार पति श्री देवेन्द्र शेजवार पता- 36 माल के पीछे विधायक कॉलोनी 18/01 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पुरैना जिला- रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट **क्रेता श्रीमति बबली शेजवार पति श्री देवेन्द्र शेजवार पता 36 माल के पीछे विधायक कॉलोनी 18/01 हाउसिग बोर्ड कॉलोनी पुरैना जिला- रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त फ्लैट को विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./ 35195/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35195
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J1431A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARISH DHARMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SUDESH DHARMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHESH LAL GURNEZAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SRI CHAND GURNEZAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35197/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35197
वार्ड का नाम- 54- कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652M1838Q** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. UDAY KUMAR SAHU, 2. PRIYANKA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GULJARI LAL SAHU , UDAY KUMAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHRANJEET HARGOTRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARENDRA SINGH HARGOTRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35200/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35200
वार्ड का नाम- 54- कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0207B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHABNAB KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL RAFE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ZUBAIR IQBAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MARHOOM IQBAL AHMED KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./ 35201/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35201
वार्ड का नाम- 52- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J00448** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **USHA BARVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KOMAL PRASAD BARVE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SMITH KUMAR 2. POOJA KUMARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. VINAY KUMAR 2. SMITH KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35216/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35216
वार्ड का नाम- 54- कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0009E** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAINAM BUILDERS PVT LTD DIRECTOR PANKAJ LAHOTI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **FLORENCIA XALXO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANTHRES XALXO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35283/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35283
वार्ड का नाम- 52- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M00854** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIJETA VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DILIP VISHWKARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. MUKESH KUMAR KUSHWAHA 2. GAYATRI KUSHWAHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. BRIJVASHU KUSHWAHA 2. MUKESH KUMAR KUSHWAHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35276/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35276
वार्ड का नाम- 52- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J0960I** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUMIT VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BABULAL VISHWAKARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAGYA GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JITENDRA GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार न

पोला पर्व पर सभापति ने क्षेत्रवासियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

धमतरी। नगर पालिका निगम धमतरी की सभापति श्रीमती कौशल्या देवांगन ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक एवं लोक आस्था से जुड़े प्रमुख पर्व पोला के अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि पोला पर्व हमारी समृद्ध छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और कृषि जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है। यह पर्व किसानों और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। ग्रामीण अंचलों में इस दिन बैलों की पूजा-अर्चना कर उन्हें सजाया जाता है तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा और आभार व्यक्त किया जाता है। सभापति श्रीमती कौशल्या देवांगन ने कहा कि हमारी लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान हैं, जिन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा रायपुर में अ.भा. युवक युवती परिचय सम्मेलन का गरिमामयी आयोजन 29 सितंबर को

■ दिगंबर जैन समाज की वृहद आयोजन समिति का गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। आगामी 29 सितंबर को अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन रायपुर में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा इस युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन अग्रसेन धाम रायपुर में किया जा रहा।

आयोजन समिति के संरक्षक श्री विनोद जैन बड़जात्या, श्री नरेंद्र जैन गुरु कृपा, श्री विनोद जैन कोयला वाले श्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया है कि सम्मेलन में पधारने वाले सभी महानुभावों के यथोचित आवास एवं भोजन की व्यवस्था की जाएगी । आयोजन स्थल पर विवाह योग्य युवक युवतीयों के परिवार जनों को आपस में वार्तालाप करने के लिए उचित केबिन एवं वातावरण प्रदान किया जाएगा । इस आयोजन के लिए विवाह योग्य युवक युवतियों के परिचय की एक समारिका प्रकाशित की जाएगी । साथ ही परिचय सम्मेलन के दिन विवाह योग युवक का मंचीय परिचय कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रकाश मोदी ने बताया है कि सभी जगह से युवक युवती परिचय सम्मेलन के लिए उत्साह का वातावरण है एवं युवक युवतियों के बायोडाटा सहित प्रविष्टियां प्राप्त हो रही हैं । प्रदेश के विभिन्न शहरों से समाजसेवी जनों के द्वारा इस आयोजन में सहयोग प्रदान किया जा रहा है ।

आयोजन समिति के महासचिव श्री गजेंद्र पाटनी कुनकुरी श्री प्रदीप जैन विश्व परिवार श्री संदीप जैन लोहडीया द्वारा जैन समाज से अपील की गई है कि वह अपने विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय का बायोडाटा भेज कर इस परिचय से सम्मेलन के आयोजन का लाभ उठाएं ।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बृहद समिति का गठन किया गया है जिसके मार्गदर्शक मंडल सर्वश्री जितेंद्र जी गदिया रायपुर,इं. सुरेंद्र जैन, अनिल जैन भाटापारा वाले, , विपिन क्षेत्रपाल्या, श्री चक्रेश जैन जी,इं. मनीष जैन, सुरेंद्र पाटनी, सनत जैन चूड़ी वाले, अरविंद पहाड़िया, भरत जैन भौरावत, रायपुर चंद्रकांत जैन राजनांदगांव अखिलेश जैन, डॉ राजेंद्र गदिया, मनीष कुमार जैन आलोक पहाड़िया, अनिल जैन, संजय सिंघई नवापारा राजिम, मनोज जैन तिल्दा नेवरा, सुशील जैन नैला, किशोर सिंघई डोंगरगढ़, सुधीर जैन छुई खदान पवन जैन डोंगरगांव, रितेश जैन डोंगरगांव, श्रीमती सरला जैन, दीपक जैन धमतरी, भूपेंद्र जैन बिलासपुर, वीर कुमार जैन बिलासपुर, धर्मेश जैन पेंड्रा, रूपेश जैन अकलतरा, पीयूष जैन भाटापारा, नरेश जैन डी डी नगर , प्रशांत जैन भिलाई, पप्पू जैनको भिलाई, संजय बोहरा दुर्ग, उपाध्यक्ष पद पर श्री संजय गंगवाल रायपुर, श्री प्रमोद जैन कोयला बिलासपुर, श्री अरविंद जैन भिलाई , श्री संजय नायक रायपुर, श्री अरविंद बड़जात्या रायपुर, श्री रमेश चौधरी नवापारा, श्री अमित जैन जगदलपुर, श्री कजोड़मल जी भिलाई, श्री मनोज पहाड़िया भिलाई, श्री सजल काला दुर्ग श्री टिब्बू जैन दुर्ग।

कोषाध्यक्ष पद पर श्री अजीत जैन पारस हैण्डलूम, श्री संजय जैन सतना श्री क्षितिज जैन भिलाई जोन प्रभारी में सरगुजा- श्री रवि गजेंद्र पाटनी कुनकुरी, श्री सुनील जैन कुनकुरी, श्री अविनाश जैन चिरमिरी, श्री दिलीप जैन जशपुर नगर, श्री अमित जैन जशपुर नगर, जगदलपुर -श्री रूपेश जैन श्री संजू जैन, रायपुर -श्री यशवंत जैन श्री नवयुवक मंडल मालवीय रोड, श्री अतुल जैन छुई खदान वाले, दुर्ग- श्री ज्ञान चंद पाटनी श्री मनीष बड़जात्या। सह सचिव -श्री सुरेश मोदी रायपुरश्री अजय जैन रायपुर श्री लोकेश जैन रायपुर श्री गोलू जैन नेवराश्री संदीप जैन बलौदा बाजार , श्री कमल जैन tent, श्री जयकुमार जैन बिलासपुर श्रीमती रूबी जैन अंबिकापुर, प्रचार प्रसार -श्री स्टार जैन रायपुर, श्री तपेश जैन, श्री राजेश रज्जन श्री प्रियेश जैन,श्री सुरेंद्र जैन साकरा, विशेष सहयोगी -सर्वश्री अभय पहाड़िया, सुजीत जैन, विवेक जैन, अमिताप जैन, अमित जैन, विपुल जैन शैलेंद्र जैन हैंडलूम, विजय कस्तूरे ,सुधांशु जैन रायपुर, सुशील जैन, सुनील जैन, अकलतरा, अखिल जैन, अनमोल जैन, नवयुवक मंडल रायपुर , अभिषेक जैन, अवधेश जैन, मनोज जी बडजात्या रायपुर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के सभी जैन मंदिरों के अध्यक्ष एवं महासचिव अपने-अपने क्षेत्र के लिए नगर समन्वयक रहेंगे जो कि जोन प्रभारी के साथ मिलकर आयोजन का प्रचार प्रसार का कार्य करेंगे।

स्वच्छता ही सेवा : बीरगांव नगर निगम आयुक्त ने ली गणेश समितियों की बैठक

■ स्वच्छ एवं सुरक्षित गणेश उत्सव मनाने की अपील

बीरगांव (विश्व परिवार)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आज नगर पालिक निगम बीरगांव के सभाकक्ष में गणेश समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिक निगम बीरगांव के आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा द्वारा शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों की जानकारी गणेश समितियों को सरल एवं स्पष्ट रूप से दी गई।

आयुक्त श्री उर्वशा ने गणेश उत्सव के दौरान स्वच्छता व्यवस्था, सोर्स सेग्रीगेशन (स्रोत पर कचरा पृथक्करण), गणेश पंडाल एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई तथा गणेश प्रतिमा के सुरक्षित एवं व्यवस्थित विसर्जन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी गणेश समितियों से स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में निगम का सहयोग करने तथा आम नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की।

बैठक में रायपुर कमिश्नरेट के उरला एवं खमतराई थाना क्षेत्र से उपस्थित डिप्टी कमिश्नर एवं थाना प्रभारियों (TI) द्वारा गणेश उत्सव के दौरान आवश्यक सुरक्षा, यातायात एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अधिकारियों ने गणेश समितियों से उत्सव के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी गणेश समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सभी ने गणेश उत्सव को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से मनाने तथा स्वच्छता व्यवस्था में नगर निगम का सहयोग करने का संकल्प लिया।

वचन मिल्क में मैट्स स्कूल ऑफ साइंसेज के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान से व्यावहारिक एवं औद्योगिक अनुभव से जोड़ने के उद्देश्य से वचन मिल्क में औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में स्कूल ऑफ साइंसेज के बी.एससी. एवं एम.एससी. कार्यक्रमों के कुल 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों के साथ डॉ. शिशिर विंद शर्मा एवं डॉ. श्रद्धा वैष्णव उपस्थित रहे।

एमएटीएस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया, कुलपति प्रो. डॉ. के. पी. यादव तथा कुलसचिव श्री गोकुलानंद पांडा के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से आयोजित इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को डेयरी उद्योग की कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा उनके अकादमिक ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक प्रक्रियाओं से जोड़ना था। स्कूल ऑफ साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सराफ ने भी विद्यार्थियों के इस प्रकार के व्यावहारिक एवं उद्योगोन्मुखी शैक्षणिक अनुभव को महत्वपूर्ण बताया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने दूध के संग्रहण एवं गुणवत्ता परीक्षण, फिल्ट्रेशन, पाश्चुरीकरण, होमोजेनाइजेशन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, भंडारण एवं वितरण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्हें डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा बनाए रखने में गुणवत्ता नियंत्रण, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, सैनिटेशन, कोल्ड-चेन एवं अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व की जानकारी भी प्राप्त हुई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने वाचन मिल्क के तकनीकी एवं संचालन से जुड़े कर्मचारियों के साथ संवाद किया तथा दूध की गुणवत्ता, प्रसंस्करण तकनीक, माइक्रोबियल सुरक्षा, पैकेजिंग, भंडारण एवं गुणवत्ता आश्वासन से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की। इस संवाद ने विद्यार्थियों को डेयरी उद्योग की व्यावहारिक प्रक्रियाओं, चुनौतियों एवं पेशेवर आवश्यकताओं को समझने में सहायता की।

केवीजीयू की छात्रा सौम्या ने 6वीं नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (केवीजीयू), रायपुर के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि स्कूल ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मेसी, 7वां सेमेस्टर) की होनहार छात्रा सुश्री सौम्या ने 6वीं नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज़ मेडल) अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में किया गया था।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश भर के शीर्ष पहलवानों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सुश्री सौम्या ने उत्कृष्ट खेल कौशल, तकनीकी दक्षता और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी इस मेहनत ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पोडियम फिनिश दिलाया और पूरे राज्य तथा यूनिवर्सिटी का मान बढ़ाया।

केवीजीयू प्रबंधन और प्राध्यापकों ने सौम्या को इस विशेष उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। केवीजीयू हमेशा से अपने छात्रों के समग्र विकास (होलिस्टिक डेवलपमेंट) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहा है। यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य उच्च स्तरीय अकादमिक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों को भी समान रूप से बढ़ावा देना है, ताकि छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखरने का एक सशक्त मंच मिल सके।

त्यौहारी सीजन में पटना-चर्लपल्ली-पटना के मध्य चल रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

■ कंफर्म बर्थ की मिलेगी सुविधा, यात्रियों का सफर होगा आसान

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया में है इन गाड़ियों का ठहराव

रायपुर (विश्व परिवार)। त्यौहारी सीजन में ट्रेनों में यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए पटना-चर्लपल्ली-पटना के मध्य चल रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन में विस्तार किया जा रहा है। यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन को 02 दिसम्बर 2026 तक विस्तारित किया गया है।

परिचालन विस्तार के बाद संचालन निम्नानुसार होगा

- गाड़ी संख्या 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन पटना से 21 सितम्बर से 30 नवम्बर 2026 तक कुल 21 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को चलेगी।
- गाड़ी संख्या 03255 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से 25 सितम्बर से 27 नवम्बर 2026 तक कुल 10 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी।
- गाड़ी संख्या 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से 23 सितम्बर से 02 दिसम्बर 2026 तक कुल 11 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार को चलेगी।

रेलवे के इन प्रमुख स्टेशनों से मिलेगी यात्रा सुविधा

इन गाड़ियों का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया स्टेशनों पर है जहां से यात्रीगण इस गाड़ी में यात्रा सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

22 कोच के साथ चलेगी यह स्पेशल ट्रेन

इस स्पेशल ट्रेन में 01 पावरकार, 01 एसएलआरडी, 02 जनरल, 04 स्लीपर, 07 एसी-III, 07 एसी-III इकॉनमी सहित कुल 22 कोच की सुविधा उपलब्ध है। यात्रियों से आग्रह है कि इन स्पेशल ट्रेनों की समय-सारिणी एवं ठहराव संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवलोकन कर तदनुसार यात्रा प्रारंभ करें।

डबल इंजन की सरकार ने फिर एक कोल ब्लाक अडानी को सौपा : दीपक बैज

■ भाजपा की सरकारें छत्तीसगढ़ का जल, जंगल, जमीन अडानी पर लुटा रही

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने छत्तीसगढ़ के एक और कोयला खदान को अडानी को सौंप दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हसदेव अरण्य वन क्षेत्र के तारा कोल ब्लाक की नीलामी केंद्र सरकार के द्वारा की गयी है। इस नीलामी में तारा कोल ब्लाक CG Syn-Gas and Chemicals Limited नाम की कंपनी को मिला है जो कि अडानी इंटरप्राइजेस लि. की सयोगी कंपनी मून्दड़ा सिनर्जी लि. की सब्सिडियरी कंपनी है। भाजपा की सरकार राज्य में बनने के बाद छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन को अडानी पर लुटाया जा रहा है। अडानी समूह भाजपा की डबल इंजन की सरकारों के संरक्षण में राज्य के जल, जंगल, जमीन पर एकाधिकार कर जंगलों की कटाई में लगा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तारा कोल ब्लाक लगभग 5000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें से 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों को पूरी तरह काट दिया जाएगा। लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होगी, जिससे भारत के राष्ट्रीय धरोहर पशु हाथी के आवाजाही के रास्ते पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि हाथियों की संख्या में कमी का संकट पहले से ही बना हुआ है। कई अन्य प्रजातियां भी इससे और अधिक खतरे में पड़ जाएंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर मांग की थी कि हसदेव-अरण्य में अब किसी भी कोल ब्लॉक का आवंटन या नीलामी न की जाए। 16 जुलाई 2023 को कांग्रेस की भूपेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट रूप से कहा था कि हसदेव-अरण्य में किसी भी नई खदान के आवंटन या विकास की कोई आवश्यकता नहीं है।

एनआईटी में गूंजा 'साइबर जागृति अभियान' का संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त सहयोग से 'साइबर जागृति - साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयालदास बघेल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला, एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी, डीसीपी वेस्ट श्री रॉबिन्सन गुरिया (आईपीएस), एडीसीपी साइबर श्री गौरव मंडल सहित पुलिस अधिकारी, संस्थान के अधिकारी, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साइबर अपराधियों के नए तरीकों से कराया अवगत

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को फिशिंग, OTP/UPI धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर पहचान की चोरी एवं प्रतिरूपण, सेक्सटॉर्शन तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों की पहचान और उनसे बचने के व्यावहारिक उपाय बताए गए।

एडीसीपी डॉ. गौरव मंडल ने कहा कि साइबर अपराधी केवल मोबाइल या बैंक खाते को ही निशाना नहीं बनाते, बल्कि मानव मनोविज्ञान का फायदा उठाकर भी लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। उन्होंने लालच, भय, जल्दबाजी और जानकारी के अभाव को साइबर ठगी के प्रमुख कारण बताया।

उन्होंने साइबर धोखाधड़ी होने पर बिना देरी किए 1930 पर कॉल करने तथा साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

साइबर स्वयंसेवक बनकर समाज को करें जागरूक

एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी ने विद्यार्थियों को साइबर स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए जागरूक कर सकते हैं।

रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला ने साइबर धोखाधड़ी को वैश्विक स्वरूप का अपराध बताते हुए कहा कि साइबर अपराध के माध्यम से धनराशि देश से बाहर चले जाने के बाद उसे वापस प्राप्त करना बेहद कठिन हो जाता है।

शोक संदेश

कैलाशचंद पांड्या जैन

रायपुर। चूड़ी लाइन निवासी, कैलाशचंद पांड्या (77) जैन का निधन आज दिनांक 10.09.2026 को दोपहर 4.30 बजे हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार दिनांक 11.09.2026 को प्रात: 11.30 उनके निज निवास चूड़ीलाईन से मारवाड़ी शमशान घाट अंतिम संस्कार हेतु जाएगी जायेगी।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह में 500 उत्कृष्ट शिक्षक सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में रायपुर जिले सहित पूरे राज्य के उत्कृष्ट एवं नवाचारी शिक्षकों के सम्मान के लिए शिक्षक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान राज्य के 500 उत्कृष्ट एवं नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत मौजूद रहे। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल सहित पूर्व विधायक श्री गुरुमुख सिंह होरा, श्री राजकमल सिंघानिया, डॉ. विनय जायसवाल, पुलिस मुख्यालय के डीएसपी गुरु नारायण प्रधान तथा श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के फाउंडर सीईओ श्री चिन्मय दावड़ा, महानिदेशक डॉ. चार्मी दावड़ा, मानद निदेशक श्री तुलसी दास संघानी, प्रति-कुलपति डॉ. वरुण गंजीर एवं कुलसचिव श्री विपिन श्रीवास्तव मंचस्थ रहे।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि श्री दावड़ा परिवार और दावड़ा विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

प्रो. मनोज दयाल ने अपने उद्बोधन में शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बीच सामंजस्य स्थापित करने के साथ-साथ मौलिकता एवं रचनात्मकता को बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षक सम्मान समारोह के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अभनपुर विधानसभा के विधायक श्री इंद्रकुमार साहू उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के उत्थान के लिए दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही, उन्होंने युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से भारत के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की निदेशक डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी तथा राज्य पुलिस अकादमी, चंद्रखुरी के एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने शिक्षकों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354